आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
वर्ष-11 । अंक 117 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण
इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित
दैनिक
आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 02 मई, 2025

केदारनाथ मंदिर 10 हजार किलो फूलों से सजाया

चारधाम यात्रा शुरु हो गई है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल अक्षय तृतीया को खुल गए हैं। वहीं केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को खुलेंगे। इसके बाद 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। बाबा केदार की पंचमुखी डोली केदारनाथ धाम पहुंच गई है। शुक्रवार सुबह विधि विधान से पूजा-अर्चना के बाद धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। केदारनाथ धाम में तैयारियां भी शुरु हो गई हैं। ऐतिहासिक मंदिर को 10 हजार किलोग्राम फूलों से सजाया गया है। इसमें 45 तरह के फूल शामिल हैं। ये फूल 8 राज्य और 3 देशों से मंगवाए गए हैं। श्रृंगार वडोदरा और कोलकाता के कारीगर कर रहे हैं। केदारनाथ के कपाट खुलने के बाद 6 महीनों तक भक्त दर्शन कर सकेंगे। जून से अगस्त के बीच अगर मौसम सही रहता है, तो इस बार 25 लाख से ज्यादा लोगों के केदारनाथ धाम पहुंचने का अनुमान है।
केदारनाथ मंदिर का सबसे पहले बाहरी द्वार खुलेगा केदारनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी जगद्गुरु रावल भीमाशंकर लिंग शिवाचार्य ने कहा- केदारनाथ मंदिर के कपाट शुक्रवार सुबह 7 बजे खुलेंगे। उससे पहले सैन्य मौजूदगी और पुष्प सज्जा के साथ अनुष्ठान किए जाएंगे। सबसे पहले बाहरी द्वार खुलेगा, फिर भीतरी द्वार। शुरुआत में पुजारी समेत केवल 4 लोग ही प्रवेश करेंगे।

दहशतगर्दों को आतंकियों को अमित शाह की चेतावनी

'चुन-चुन कर जवाब मिलेगा'

भारत की इंच-इंच भूमि से आतंकवाद मिटाने का संकल्प

एजेंसी ● नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'पहलगाम हमले का चुन-चुनकर बदल लिया जाएगा। इंच-इंच भूमि से आतंकवाद को मिटा देंगे। ये नरेंद्र मोदी का भारत है'। पहलगाम हमले के बाद से भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं

अमित शाह ने कहा, 'आज कोई ये ना समझ ले कि हमारे 26 लोगों को मारकर वो ये लड़ाई जीत गए हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि हर व्यक्ति को जवाब भी मिलेगा और जवाब लिया भी जाएगा। उन्होंने कहा, 'कोई कायराना हमला करके सोचता है कि ये हमारी जीत है तो ये समझ ले कि चुन-चुन कर बदला लिया जाएगा। ये नरेंद्र मोदी का भारत है.'

गृह मंत्री ने कहा, 'आज फिर से ये संकल्प याद दिलाना चाहता हूं कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, चाहे वामपंथी उग्रवाद हो या फिर कश्मीर का मुद्दा अगर कोई कायराना हरकत करता है तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होने कहा कि इंच-इंच भूमि से आतंकवाद को मिटा देंगे। लामबंद होकर दुनिया के सभी देश आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े हैं। जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होगा तब तक उनको दंड दिया जाएगा।

भारत ले रहा कड़े फैसले

पहलगाम हमले में बाद भारत ने सीमा पार आतंकवाद पर पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। इस बार भारत ने पाकिस्तान को जवाब देने के लिए एक के बाद एक कई एक्शन भी लिए हैं। इस बीच गुरुवार को भारतीय नौसेना ने अरब सागर में अपने अभियान को भी तेज कर दिया है। इससे पहले भारतीय वायु सेना ने भी राफेल और सुखोई विमान के साथ 'आक्रमण' अभ्यास कर पाकिस्तान की नींदें उड़ा दी थी।

पीओके में 1000 से ज्यादा मदरसे बंद

भारत की इन कार्रवाइयों से पाकिस्तान को भारत की तरफ से कभी भी हमले का डर सता रहा है। इस डर से पाक ने कब्जे वाले पाकिस्तान में हजार से ज्यादा मदरसों को बंद कर दिया है। पीओके के धार्मिक मामलों के विभाग के प्रमुख हाफिज नजीर अहमद ने कहा कि "हमने कश्मीर में सभी मदरसों के लिए 10 दिन की छुट्टी की घोषणा की है।

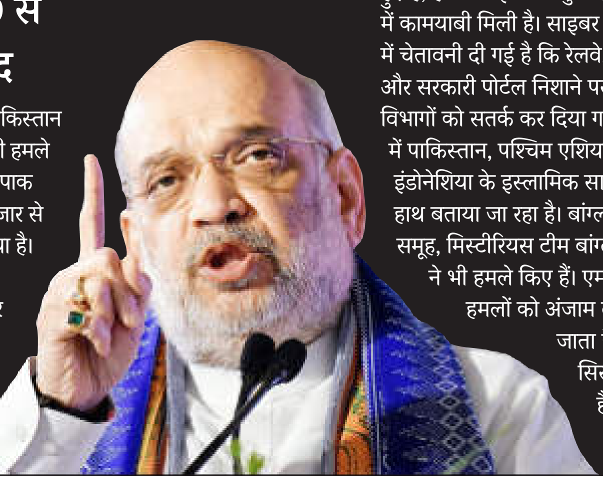

10 लाख से अधिक साइबर हमले, निशाने पर रेलवे और बैंकिंग सिस्टम

पहलगाम नरसंहार के बाद भारत को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र साइबर विभाग के अनुसार 23 अप्रैल से अब तक भारत पर 10 लाख से अधिक साइबर हमले हुए हैं, हालांकि इनमें से कुछ हमलों को रोकने में कामयाबी मिली है। साइबर सेल की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि रेलवे, बैंकिंग सिस्टम और सरकारी पोर्टल निशाने पर हैं। सभी संबंधित विभागों को सतर्क कर दिया गया है। इन हमलों में पाकिस्तान, पश्चिम एशिया, मोरक्को और इंडोनेशिया के इस्लामिक साइबर समूहों का हाथ बताया जा रहा है। बांग्लादेश के हैकर समूह, मिस्टीरियस टीम बांग्लादेश (एमटीबीडी) ने भी हमले किए हैं। एमटीबीडी बड़े साइबर हमलों को अंजाम देने के लिए जाना जाता है। इन हमलों में सिस्टम क्रैश हो जाता है या काम करना बंद कर देता है।

Waves 2025 के जरिए हम रचनात्मक दुनिया की नींव रख रहे : पीएम मोदी

एजेंसी ● मुंबई

भारत की मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को दुनिया में बढ़ावा देने के लिए वेव्स 2025 नाम का एक खास कार्यक्रम हो रहा है. यह अपनी तरह का पहला बड़ा आयोजन है। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में यह सम्मेलन चार दिन तक चलेगा। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीने किया। इस कार्यक्रम में दुनिया भर से क्रिएटिव लोग, निवेशक, स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी से जुड़े उद्यमी हिस्सा ले रहे हैं। वेव्स 2025 की टैगलाइन है-*कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग कंट्रीज*।

पीएम मोदी ने कहा, "आज से 112 साल पहले, 3 मई 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म 'राजा हरीशचंद्र' रिलीज हुई थी, जिसे दादा साहेब फाल्के ने बनाया था. आज जब ऑस्कर में 'ट्रिपल आर' जैसी फिल्म को बड़ी सफलता मिलती है, तो लगता है कि भारतीय सिनेमा ने कितनी दूर तक सफर तय किया है। उन्होंने कहा, "आज 100 से ज्यादा देशों के कलाकार, इनोवेटर, निवेशक और नीति-निर्माता एक ही मंच पर जुटे हैं। हम एक वैश्विक टैलेंट और क्रिएटिविटी की दुनिया की नींव रख रहे हैं। WAVES एक ऐसा मंच है, जो हर कलाकार और रचनात्मक व्यक्ति का है। 'वैष्णव जन तो तेने कहिए जे' भजन को 500 देशों के लोगों ने मिलकर गाया है। इससे पता चलता है कि भारत और दुनिया का क्रिएटिव वर्ल्ड कितना ताकतवर और जुड़ा हुआ है।

टैलेंट, क्रिएटिविटी. नए आइडियाज

पीएम मोदी ने कहा कि WAVES का मतलब है -World Audio Visual And Entertainment Summit. उन्होंने कहा कि ये सिर्फ एक छोटा नाम नहीं है, बल्कि ये एक लहर है – संस्कृति की, रचनात्मकता की, और दुनिया को जोड़ने वाले जुड़ाव की। उन्हों ने कहा, "आज मुंबई में 100 से ज्यादा देशों से आए कलाकार, नए आइडिया लाने वाले लोग, निवेशक और नीतियां बनाने वाले एक ही छत के नीचे इकट्ठा हुए हैं। ये सभी मिलकर एक ऐसा ग्लोबल मंच बना रहे हैं जो टैलेंट, क्रिएटिविटी और नए आइडियाज को पूरी दुनिया में बढ़ावा देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरसूद में वन समितियों एवं जनजातीय सम्मेलन में दीं अनेक सौगातें

जनजातीय समुदाय को स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां सक्षम : मुख्यमंत्री

संवाददाता ● भोपाल

सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के जनजातीय वर्ग को विकास की मुख्य धारा में लाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप जनजातीय भाई-बहनों के समग्र कल्याण के लिए पेसा नियमों को ध्यान में रखते हुए जनजातीय क्षेत्रों के विकास को और अधिक गति दी जा रही है। प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में बसे जनजातीय परिवारों को भी केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं जैसे पक्का मकान, निःशुल्क राशन और आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि हर गरीब और जरूरतमंद के बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए हमारी सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है। राज्य सरकार तेंदुपत्ता

संग्राहकों को बोनस देकर प्रोत्साहित कर रही है। तेंदूपत्ता के शासकीय मूल्य में 1000 रुपए प्रति मानक बोरा की वृद्धि कर इसे 4000 रुपए प्रति मानक बोरा कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अभी 15 हजार वन समितियां हैं। जनजातीय समुदाय को स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां निरापद रूप से सर्वाधिक सक्षम हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को खंडवा जिले के हरसूद में तेंदूपत्ता, वन समितियों और जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय बुजुर्गों को टार्च और एफएम जैसी आधुनिक तकनीक से लैस छड़ी (स्टिक) का वितरण किया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को पात्रतानुसार हितलाभ के चेक, ई-रिक्शा प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल, अस्पताल जैसे विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसूद में जल संरक्षण के लिये सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर वर्षा जल की बूंद-बूंद सहेजने के उद्देश्य विषय पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसूद को विकास कार्यों की सौगात दी, जिनमें 20 करोड़ की लागत की नया अस्पताल, सांदिपनि आदर्श विद्यालय, 45 करोड़ की लागत से नई सिंचाई परियोजना शामिल है। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके, जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, विधायक श्री नारायण पटेल, विधायक श्रीमती छाया पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज बुजुर्गों को आधुनिक जादू की छड़ी मिली है। प्रदेश में बुजुर्गों को सहारा और सम्मान देने वाली सरकार है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार समृद्ध, सशक्त और विकसित मध्यप्रदेश बनाने के लिए मिशन मोड पर कार्य कर रही है। प्रदेश में खेतों को सिंचित करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 02 मई, 2025
www.adityabharat.com

सिंधु नदी से पाकिस्तान जाने वाले पानी का रिव्यू होना जरूरी

भारत में पानी व्यापार की वस्तु बन चुका है, इसे रोकना होगा

संवाददाता ● भोपाल

प्रतिष्ठित मैग्सेसे अवार्ड से सम्मानित पर्यावरणविद् और जल संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध श्री राजेंद्र सिंह ने कहा है कि भारत में पानी का व्यापार बंद होना चाहिए। भारत में पानी व्यापार की वस्तु बन चुका है, इसे रोकना होगा। श्री राजेंद्र सिंह आज श्यामला स्थित मानस भवन के सभागार में पूर्व मंत्री श्रीमती सविता वाजपेई के परिजनों द्वारा मानस भवन के उपयोग के लिए वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में नगर निगम की महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व भाजपा के पूर्व सांसद एवं तुलसी मानस प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री रघुनंदन शर्मा, विधायक श्री राजेंद्र भारती, वरिष्ठ पत्रकार श्री बालमुकुंद भारती सहित राजधानी के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संबोधित

वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट का लोकार्पण करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि भारत को पानीदार बनाना चाहते हैं तो हमें अपना मानस बदलना होगा। क्योंकि पूरी दुनिया बेपानी होकर उजड़ रही है। दुनिया के जितने मुल्क आपस में लड़ रहे हैं ,उसके आधार में पानी ही मुख्य वजह है। उन्होंने कहा कि सिंधु नदी से पाकिस्तान जाने वाले पानी का रिव्यू समय-समय पर होना चाहिए था, जो अब हो रहा है। उसका 70% पानी भारत को ही मिलना चाहिए । उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने अपने छोटे भाई पाकिस्तान को उदारता से अब तक पानी दिया, जबकि उस पर उसका हक नहीं था। श्री राजेंद्र सिंह ने भोपाल को पानीदार शहर बताया और इस बात पर चिंता व्यक्त की कि बेतवा नदी की धारा पिछले 3 साल से सूख गई है। हमारे लालची विकास के कारण विनाश हो रहा है। क्योंकि विकास ही विनाश करता है। श्री राजेंद्र सिंह ने यह भी बताया कि आजादी के समय 4% जमीन बेपानी थी, आज 62% बेपानी है। आज के दौर में बाढ़, सूखा, जंगलों में आग लग रही है। पर्यावरण नष्ट हो रहा है। शिक्षा ने हमें लालची बना दिया है ,क्योंकि जो शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं ,वह केवल अपने लाभ के लिए है । विद्या और शिक्षा के अंतर को हमें समझना होगा। विद्या हमारे जीवन को बेहतर बनाने का काम सिखाती है लेकिन शिक्षा हमें लाभ और जीविकोपार्जन के तरीके सिखाती है। उन्होंने कहा कि जब से पानी व्यापार की चीज बना है, तब से हम प्राकृतिक जल स्रोत को भूल गए हैं। उनका दुरुपयोग हो रहा है। कुएं सूख गए और तालाबों पर अतिक्रमण हो रहा है। श्री सिंह ने कहा कि जब से पानी व्यापार का जरिया बना, तब से प्रकृति और संस्कृति का संतुलन भी बिगड़ा है । बोतल वाले पानी का भारत में 1 लाख करोड़ से ज्यादा का व्यापार है। उन्होंने कहा जब तक बोतलबंद पानी का व्यापार होगा, तब तक हम जल का सम्मान नहीं कर सकेंगे। जल पुरुष ने श्रीमती सविता वाजपेई के परिजनों द्वारा मानस भवन में वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट लगाए जाने का स्वागत किया। साथ ही यह भी कहा कि पानी का संग्रहण एवं उपाय की विधि सुनिश्चित होना चाहिए ।जल संरक्षण का जो संकल्प श्रीमती सविता वाजपेई के परिजनों ने लिया है, उसे पूरा करने के लिए साधना भी जरूरी है। श्रीमती सविता वाजपेई की पुत्री डॉ. श्रद्धा अग्रवाल ने मानस भवन में जल संरक्षण के लिए वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट की जो स्थापना की है, वह उनके द्वारा अपनी मां के प्रति दी गई सच्ची श्रद्धांजलि है।

महापौर श्रीमती मालती राय ने श्रीमती सविता वाजपेई को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी स्मृति को समझने के लिए परिजनों ने जल संरक्षण की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से सराहनीय कार्य किया है। इसके लिए मैं नगर निगम की ओर से उनका अभिनंदन करती हूं । श्रीमती मालती राय ने कहा कि राजनीति में अलग-अलग दल भले ही हो, लेकिन विचारधारा एक ही होना चाहिए। ताकि विकास कार्य संभव हो सके। श्रीमती मालती राय ने यह भी कहा कि वर्ष 2045 को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण की योजना पर कार्य होना चाहिए । नई पीढ़ी को जल संरक्षण के अभियान से जोड़ा जाना चाहिए ।यदि आज हम सतर्क नहीं हुए तो भविष्य में भोपाल भी पानी से मोहताज हो जाएगा। वृक्षारोपण की तरह जल संरक्षण को भी अभियान का रूप देना होगा । नगर निगम भी इस कार्य में सहयोग करेगा। इस अवसर पर श्री रघुनंदन शर्मा ने कहा कि श्री राजेंद्र सिंह जल पुरुष ही नहीं जल ऋषि भी हैं । उन्होंने श्रीमती सविता वाजपेई के परिजनों द्वारा वॉटर हार्वेस्टिंग यूनिट को मानस भवन में स्थापित करने पर कहा कि किसी भी प्रकार का दान लोक कल्याण के लिए होता है, जिसका अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि नदियों को पुनर्जीवित करना आसान नहीं होता।

प्रारंभ में अतिथियों ने तुलसीदास जी, मां सरस्वती और पूर्व मंत्री श्रीमती सविता वाजपेई के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री राम आस्था मिशन के संयोजक श्री तन्मय जैन, डॉ. श्रद्धा अग्रवाल, श्रीमती निष्ठा दुबे ,मानस भवन प्रतिष्ठान के श्री कैलाश जोशी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. श्रद्धा अग्रवाल ने भूजल स्तर गिरने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जंगल की भी कमी हो रही है। जल संकट को देखते हुए हमने अपनी मां श्रीमती सविता वाजपेई की स्मृति में जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम में पदमश्री, वरिष्ठ पत्रकार श्री विजयदत्त श्रीधर, सर्वश्री घनश्याम सक्सेना, श्री राजेंद्र कोठारी,डॉ. राजीव गुप्ता, डॉ. संजय सक्सेना, डॉ अभिजीत देशमुख, डॉ. अजय मेहता, डॉ मीनाक्षी पटेल, जनसंपर्क के पूर्व संयुक्त संचालक प्रलय श्रीवास्तव, मनोज मिश्रा, विनोद प्रधान ,डॉ. विनोद पाराशर, डॉ .रेखा श्रीवास्तव,नरेश मोटवानी, शबनम आरा सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे।

शॉट न्यूज

कलयुगी बेटे और बहू ने मां को बेरहमी से पीटा

इंदौर। सिमरोल इलाके में कलयुगी बेटे ने पत्नी के साथ मिलकर मां के साथ डंडे और मोगरी से मारपीट कर डाली। बहू और बेटे द्वारा किए हमले में मां घायल हो गई। फरियादी रामकलाबाई पति राधेश्याम चौहान (55) निवासी हरिजन मोहल्ला, सिमरोल ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मैं घर पर थी जहां मेरा बेटा सुनील और बहू उमाबाई भी थी। दोनों ने मुझसे कहा कि घर से निकल जाओ और गालियां देने लगे। मैंने गाली देने से मना किया तो सुनील ने डंडे से हमला किया और बहू उमाबाई न सिर पर मोगरी मार दी। छोटा बेटा संदीप और बहू रीनाबाई बीच बचाव करने आए तो दोनों के साथ भी मारपीट की और धमकी देकर भाग गए। सिमरोल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

कार ने स्कूटी को मारी टक्कर युवती की मौत, दूसरी घायल

इंदौर। विजय नगर इलाके में तेज रफ्तार बेकाबू कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार एक युवती की मौत हो गई। वहीं हादसे में उसकी साथी युवती घायल हो गई, जिसका उपचार किया जा रहा हैं। विजय नगर पुलिस के मुताबिक घटना इंफनिटी होटल के सामने स्कीम 74 की हैं। यहां से स्कूटी से गुजर रही चंचल मंडवाल (21) व परिधि मंडवाल को तेज रफ्तार कार एमपी 09 जेड एन 8637 के चालक ने टक्कर मार दी।कार की टक्कर से स्कूटी सवार दोनो युवतियां गाड़ी से उछलकर सड़क पर जा गिरी और लहूलुहान हो गई। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।जहां इलाज के दौरान युवती चंचल की मौत हो गई।वहीं हादसे में घायल परिधि का उपचार जारी हैं।मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी हैं।

सेवानिवृत्त 22 रेलकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल मंडल में हाल ही में रेल सेवा से निवृत्त हुए 22 रेल कर्मचारियों को मंडल कार्यालय में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अंतिम निपटान राशि का भुगतान एनईएफटी के माध्यम से किया गया। साथ ही, उन्हें गोल्ड मेडल, पेंशन भुगतान आदेश (आई-पास पोर्टल से), मानार्थ पास, परिचय पत्र एवं उदारीकृत चिकित्सा सुविधा कार्ड भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर जनसंपर्क अनुभाग, भोपाल मंडल में कार्यरत श्री इसराइल मोहम्मद (रफीक) को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने 35 वर्षों से अधिक की अपनी सेवा के दौरान रेलवे की छवि निर्माण और मीडिया समन्वय में सराहनीय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी (कल्याण), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सहित रेलवे यूनियन, संघ एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी, ऑल इंडिया रिटायर्ड रेलवेमेन्स फेडरेशन के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। भोपाल मंडल अपने समर्पित कर्मचारियों की दीर्घकालिक सेवा को ससम्मान याद रखता है और उनके जीवन के नए चरण के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

कार्यक्रम

80 शहरों में एक साथ हुआ फ्री प्री-NEET मेगा मॉक टेस्ट, 8000 से अधिक छात्रों ने लिया हिस्सा

मुंबई। 4 मई को आयोजित होने जा रही NEET-UG 2025 परीक्षा से पहले, मोशन एजुकेशन द्वारा देशभर के 80 शहरों में एक साथ मेगा मॉक टेस्ट आयोजित किया गया। इस अभ्यास परीक्षा में करीब 8000 NEET अभ्यर्थियों ने भाग लिया। कोटा में यह मॉक टेस्ट दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित किया गया, जो कि असली परीक्षा के समयानुसार ही था। मोशन एजुकेशन के संस्थापक और सीईओ नितिन विजय स्वयं परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बताया, "यह मॉक टेस्ट हमारे अनुभवी फैकल्टी द्वारा NEET-UG 2025 के नए पैटर्न और संभावित कठिनाई स्तर को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।" मोशन एजुकेशन में जॉइंट डायरेक्टर और NEET डिवीजन हेड अमित वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, "अब नए टॉपिक शुरू करने के बजाय मॉक टेस्ट को समय सीमा में हल करने का अभ्यास करें। तीन घंटे में 180 प्रश्न हल करने की आदत डालें और हर टेस्ट के बाद अपनी गलतियों का विश्लेषण करें। यह देखें कि गलती की वजह कांसेप्चुअल गैप, समझ की कमी, या समय प्रबंधन की समस्या है। उसी के अनुसार तैयारी में सुधार करें। सबसे जरूरी बात, तनावमुक्त रहें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।" कोटा की एक छात्रा शुभ्रा सिंह ने मॉक टेस्ट के अनुभव को साझा करते हुए कहा, "यह टेस्ट बिल्कुल असली NEET परीक्षा जैसा माहौल लेकर आया। इससे हमें अपनी तैयारी का मूल्यांकन करने और समय प्रबंधन को बेहतर करने का मौका मिला।" एक और प्रतिभागी राजीव कुमार ने कहा, "इस तरह के फुल-स्केल मॉक टेस्ट से हमें असली परीक्षा का दबाव समझने में मदद मिली और उसे संभालने की रणनीति भी तय हो पाई। यह हमारी तैयारी को शार्प करने के लिए बेहद उपयोगी रहा।"

मुनाफे में जबरदस्त बढ़ोतरी

जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025 के नतीजे किए घोषित

एजेंसी ● मुंबई

भारत के दूसरे सबसे बड़े निजी वाणिज्यिक बंदरगाह परिचालक और जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने 31 मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 2025 के वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने चौथी तिमाही में 516 करोड़ का कर-पश्चात लाभ दर्ज किया, जो वर्ष-दर-वर्ष 57% की वृद्धि को दर्शाता है। वहीं, पूरे वित्त वर्ष 2025 के लिए कंपनी का कर-पश्चात लाभ 1,521 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 31% अधिक है।

चौथी तिमाही में कंपनी ने 3.12 करोड़ टन सामान संभाला, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5% अधिक है। यह वृद्धि मुख्य रूप से मैंगलोर, एन्नोर और पारादीप के कोयला टर्मिनलों के बेहतर प्रदर्शन और तूतीकोरिन व जेएनपीए तरल टर्मिनल के प्रारंभिक संचालन के कारण संभव हो सकी। हालांकि पारादीप के लौह अयस्क टर्मिनल की कम मात्रा ने इस वृद्धि को कुछ हद तक सीमित किया। इस अवधि के दौरान तीसरे पक्ष की भागीदारी में 11% की वृद्धि हुई, और कुल वॉल्यूम में इसका हिस्सा 50% रहा। नवकार कॉरपोरेशन के व्यापार के समेकन और अधिक मात्रा के कारण कंपनी की कुल आय 1,372 करोड़ रही, जिसमें 14% की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी का ईबीआईटीडीए 730 करोड़ रहा, जो 53.2% मार्जिन के साथ है। पूरे वित्त वर्ष 2025 में जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर ने कुल 11.7 करोड़ टन सामान संभाला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9% अधिक है। यह वृद्धि फुजैरा तरल टर्मिनल, पीएनपी बंदरगाह और अन्य अधिग्रहीत संपत्तियों के साथ-साथ पारादीप, एन्नोर और मैंगलोर के कोयला टर्मिनलों में बेहतर उपयोग के कारण हुई। थर्ड पार्टी वॉल्यूम 5.73 करोड़ टन रहा, जिसमें 34% की वृद्धि दर्ज की गई और कुल वॉल्यूम में इसकी भागीदारी 49% रही (पिछले वर्ष 40%)।

कुल आय 4,829 करोड़ रही, जो 20% की वृद्धि है। लागत नियंत्रण और संचालन क्षमता में सुधार के चलते कंपनी का ईबीआईटीडीए 2,615 करोड़ (54.2% मार्जिन) और कर पूर्व लाभ 1,803 करोड़ रहा। कंपनी ने 0.80 प्रति शेयर लाभांश की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन है। इसके साथ ही कंपनी की बैलेंस शीट भी मजबूत बनी रही – सकल ऋण 4,659 करोड़ और नकद व बैंक शेष 3,188 करोड़ रहा, जबकि शुद्ध ऋण / परिचालन ईबीआईटीडीए अनुपात 0.65 गुना पर रहा। वित्त वर्ष 2025 के दौरान कंपनी ने कई रणनीतिक कदम उठाए। इसमें महाराष्ट्र में मुरबे हरित क्षेत्र बंदरगाह के लिए आशय पत्र प्राप्त करना, नवकार कॉरपोरेशन लिमिटेड में 70.37% हिस्सेदारी लेकर लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में प्रवेश, जेएनपीए तरल टर्मिनल और तूतीकोरिन टर्मिनल में अंतरिम संचालन, स्लरी पाइपलाइन व्यवसाय का अधिग्रहण तथा जेएसडब्ल्यू स्टील के साथ दीर्घकालिक 'ले लो या भुगतान करो' समझौता शामिल हैं। कंपनी के प्रमुख बंदरगाह 'जयगढ़ बंदरगाह' को ब्रिटिश सुरक्षा परिषद द्वारा "सम्मान की तलवार" पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। भविष्य की रणनीति के तहत कंपनी अपनी सामान संभालने की क्षमता को वित्त वर्ष 2030 तक 17.7 करोड़ टन से बढ़ाकर 40 करोड़ टन करने की योजना बना रही है, जिसके लिए 30,000 करोड़ का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित है।

एलएनसीटी के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने ग्रामीण भारत का अनुभव लिया

संवाददाता ● भोपाल

विश्व छात्र एवं युवा संगठन (WOSY) के भोपाल चैप्टर द्वारा आयोजित सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 'भारत अनफिल्टर्डः गांवों से विश्व तक' में 20 देशों के 30 अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के हसुआ गांव में ग्रामीण भारत की जीवनशैली को नजदीक से महसूस किया। ये सभी छात्र फिलहाल LNCT विश्वविद्यालय, भोपाल में अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और पगड़ी बांधने की रस्म के साथ हुई, जहां ग्रामीणों ने विदेशी छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। छात्रों ने गांव के घरों में जाकर भारतीय मेहमाननवाज़ी का अनुभव लिया और देसी भोजन का स्वाद चखा। गांव के बच्चों ने विदेशी मेहमानों को पारंपरिक खेल 'पिट्ठू' खेलने का आमंत्रण दिया, जिसे छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ अपनाया। यह दृश्य सांस्कृतिक समावेशिता का जीवंत उदाहरण बना। इस अवसर पर एलएनसीटी विदेशी एडमिशन सेल के प्रभारी दमनप्रीत सिंह WOSY के महासचिव शुभम गोयल और ABVP की राष्ट्रीय सचिव शालिनी वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों ने इस आयोजन को 'भारतीय मूल्यों और वैश्विक युवा संवाद को जोड़ने वाली प्रभावशाली पहल' बताया। इस अवसर पर एलएनसीटी ग्रुफ के सचिव डॉ अनुपम चौकसे एवं WOSY मध्य भारत के राज्य संयोजक अनुज सिंह ने कहा,की "इस पहल का उद्देश्य था कि विदेशी छात्र भारत को उसकी असली, अनफ़िल्टर्ड तस्वीर में देखें और समझें। गांव वालों और छात्रों का उत्साह यह दर्शाता है कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान से वैश्विक सद्भाव कितना गहरा हो सकता है।" कार्यक्रम का समापन विदेशी छात्रों के आभार और ग्रामीणों की आत्मीयता भरी विदाई के साथ हुआ। सभी छात्रों ने इस अनुभव को 'जीवनभर याद रहने वाला' बताया, जबकि ग्रामीणों ने अंतरराष्ट्रीय मेहमानों की मेजबानी को गर्व और सम्मान की बात मानी।

उद्देश्य बड़ा साफ छोटी नदियों को अगर बारहमासी कर दिया तो बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा रहेगा -पंचायत एवं ग्रामीण विभाग मंत्री पटेल

पानी की व्यवस्था बेहतर हो जाने से खुशहाली और समृद्धि आएगी : सांसद लोधी

संवाददाता ● दमोह

हमारा लक्ष्य क्या है और उस लक्ष्य में कितना प्राप्त करते हैं, पानी का मतलब सिर्फ स्त्रोत को ठीक करना नही हैं, पानी का मतलब हैं जहां से पानी ले वो चीजें हमारे पास बची हैं या नहीं हैं। बड़ी नदियों को यदि बचाना हैं तो छोटी नदियों को बारहमासी करने का मौका अभी हमारे पास हैं।। ये ऐसे काम नहीं है, जो एक बार में ही पूरे हो जाएंगे। पहले इस बात को हमारे दिमाग में बिठाना होगा। ये हमारे पुरखों ने बावड़ियां बनाई, कुएं बनाए है। हमें उन्हें सहजने का कार्य करना होगा। उद्देश्य बड़ा साफ है, छोटी नदियों को हमने अगर बारहमासी कर दिया तो बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा रहेगा। इस आशय की बात प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने स्थानीय किशन तलैया में जलगंगा संवर्धन कार्य के शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने कहा यह बात सबको समझने पड़ेगी हम जो भी जलस्त्रोत है, जो जितने साल पहले बारहमासी था उनको भी ठीक करनी की जरूरत है। मंत्री पटेल ने कहा जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलेगा। पिछले वर्ष 32 नदियों को जोड़ने का संकल्प लिया था इस बार संकल्प है, मध्यप्रदेश में नर्मदा बेसिन, गोदावरी बेसिन, गंगा बेसिन उसमें जाने वाली किसी भी नदी का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश में है, उस तक पहुॅचने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा सीधे नदी से पानी लेते है, तो एक भी बूॅंद पानी नही बचता ओर बाद में हम मवेशियों के लिये ट्यूबवेल से भरते है। गर्मी की फसल पर हम कितना अंकुश लगा सके इस दिशा में प्रयास किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा ये सब चीजों के लिये कड़े कदम उठाने चाहिए सरकार इसकी अगुवाई कर रही हैं।

पटेल ने कहा कि फेसिंग का पैसा विभाग के पास नही होता लेकिन इस बार सरकार ने प्रावधान किया है, लगभग 200 स्थानों पर फेसिंग का पैसा देगें ताकि पौधे की सुरक्षा की गारंटी हो जाये, मनरेगा से गड्ढे होते है, फारेस्ट से पौधा मिलता है, तीन साल का पौधा ले और तीन साल बचा ले फिर मान कर चलिये कि वो आपको देगा ही लेगा नही। श्री पटेल ने कहा प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का अभारी हॅू कि सांस्कृतिक अमूर्त धरोहर के रूप में नर्मदा परिक्रमा को शामिल किया है और आने वाले समय में यूनेस्को की लिस्ट भी शामिल हो सकता है।

दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा जल गंगा संर्वधन अभियान प्रदेश सरकार की एक अभिनव पहल है। इस पहल में हम सबको जुड़ना है। सांसद श्री लोधी ने कहा मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल पूरे प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग जिलों में जा रहे हैं और जो नदिया 12 महीने पानी देती थी पर किन्हीं कारणों से मिट्टी भरने, पत्थर भरने या हमने वहॉं नाले, पुल, पुलिया बना दिया, स्टॉप डेम बना दी और बहुत सी अन्य प्रकार की गतिविधियों के कारण से वो नदिया अब जो बारहमासी नदिया थी, वो 6 महीने, 5 महीने में ही उनका पानी समाप्त हो जाता है। सांसद श्री लोधी ने कहा इस पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को धन्यवाद और साधुवाद देता हूॅं। सांसद श्री लोधी ने कहा इस अभियान के माध्यम से हमारी जो नदियां बंद या पानी नहीं बचा उनका पुनः जीर्णोद्धार होगा। निश्चित ही जलस्तर सुधरेगा।

ब्रोसर का हुआ विमोचन, मजदूरों का हुआ सम्मान

इस दौरान जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष में श्रम विभाग अंतर्गत भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की संचालित योजनाओं संबंधी जानकारी ब्रोसर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मजदूरों का सम्मान साल श्रीफल से सम्मान किया गया। साथ ही उपहार भी दिए गये। इस अवसर पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी, पूर्व मंत्री एवं विधायक दमोह जयंत कुमार मलैया, विधायक हटा उमादेवी खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल, दमोह जनपद अध्यक्ष प्रीति कमल ठाकुर, हटा जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगाराम पटेल, नरेन्द्र बजाज, गौरव पटेल, गोपाल पटेल, सतीश तिवारी, रामेश्वर चौधरी, आलोक गौस्वामी, राजू ठाकुर, यशपाल ठाकुर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण पटेल, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, वनमण्डलाधिकारी ईश्वर जराण्डे, सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे, एसडीएम दमोह आरएल बागरी, भरत यादव, मौंटी रैकवार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीगण, आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विपिन चौबे ने किया।

बोर्ड परीक्षा की उत्तरपुस्तिका की चेकिंग पूर्ण अगले सप्ताह घोषित हो सकते हैं रिजल्ट

इंदौर। एमपी बोर्ड की हाई स्कूल और हायर सेकंडरी की परीक्षाओं की कॉपियों की चेकिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके बाद की तैयारी पूर्ण की जा रही है साथ ही उम्मीद है कि इसी महीने 15 तारीख तक रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारियों के अनुसार बोर्ड के नतीजे मई के दूसरे सप्ताह में घोषित किए जाने की संभावना है। एमपी बोर्ड के लिए उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन की अंतिम तिथि 25 अप्रैल थी हालांकि, सभी उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन तीन दिन पहले ही कर लिया गया। इंदौर में मालवा कन्या स्कूल को मूल्यांकन केंद्र में बनाया गया था, जहां सीसीटीवी की कड़ी निगरानी उत्तरपुस्तिकाओं की जांच की गई। पारदर्शिता सुनिश्चित करने और किसी भी तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए निगरानी प्रणाली की सीधे भोपाल स्थित एमपीबीएसई मुख्यालय से निगरानी की गई। गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय के रूप में प्रत्येक टीचर को प्रतिदिन अधिकतम 35 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने की अनुमति दी गई थी।

लोगों को पीने के साथ ही किसानों को भी देंगे सिंचाई के लिए पानी

कनाड़िया में मिली होलकरकालीन बावड़ी पर आईडीए लगा रहा फिल्टर प्लांट

संवाददाता ● इंदौर

सौगात

कुएं-बावड़ियों जीर्णोद्धार का ठिंठोरा पीट फोटो खिंचवाने वाले नगर निगम से आईडीए एक कदम आगे निकल गया है। हाल ही में कनाड़िया में मिली लोकमाता देवी अहिल्याबाई द्वारा बनवाई बावड़ी के जीर्णोद्धार के बाद अब यहां वाटर फिल्टर प्लांट भी लगाने की तैयारी की जा रही है। इस प्लांट के लगने के बाद इस बावड़ी का पानी फिल्टर कर न केवल क्षेत्र में वितरित किए जाने की योजना है बल्कि इसी बावड़ी का पानी क्षेत्र में किसानों को प्रदाय किए जाने की भी तैयारी है। इसी पानी से किसान सिंचाई कर सकेंगे।

आईडीए अधिकारियों के अनुसार प्लांट शुरू होने के बाद शहर की यह पहली बावड़ी होगी, जिसका पानी आसपास के लोग पीने में उपयोग कर सकेंगे। बावड़ी के जीर्णोद्धार पर प्राधिकरण ने आर्थिक संकट होने के बाद भी 75 लाख रुपए खर्च किए हैं।प्लांट बनने के बाद अगले माह इसे लोकार्पित किया जाएगा।बावड़ी की देखरेख और मेंटेनेंस के लिए अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। आईडीए सीईओ रामप्रकाश अहिरवाल ने बताया कि शहर में प्रतिवर्ष करोड़ों के विकास कार्य कराए जाते हैं। आगामी दिनों में सुपर कारीडोर के समीप स्कीम नंबर 172 में नए कन्वेंशन सेंटर का काम शुरू किया जाएगा। आरई 2 योजना का काम कनाड़िया के समीप शुरू किया गया था। तभी एक स्थान पर 250 वर्ष पुरानी बावड़ी नजर आई। आसपास के लोगों से पूछने पर पता चला कि उक्त बावड़ी को लोकमाता देवी अहिल्याबाई ने तैयार कराया था। उस समय लोगों की प्यास बुझाने का यही एकमात्र जलस्त्रोत था। लगातार विकास कार्यों के चलते बावड़ी अपना अस्तित्व खो चुकी थी। जानकारी लगने के बाद प्राधिकरण ने इसके जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया है। बावड़ी के आसपास खुदाई कार्य के साथ फर्शी, दीवार की मरम्मत की जा रही है।

एक सप्ताह हमें पूरा हो जाएगा काम...

आईडीए अधिकारियों के अनुसार सात से आठ दिन में बचा हुआ सारा काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद लोकार्पण करेंगे। भीषण गर्मी से यह बावड़ी लोगों के लिए लाभदायक होगी। इसमें 100 लाख लीटर पानी आ सकता है।पानी का उपयोग सिंचाई के लिए भी किया जा सकता है। बावड़ी की गाद निकालने के साथ सौंदर्यीकरण भी किया गया है। उल्लेखनीय है कि वल्लभ नगर मार्केट की दुकानों के नीचे भी चार बावड़ियां होने के बारे में जानकारी सामने आई है। इन बावड़ियों के जीर्णोद्धार का काम निगम ने शुरु कर दिया है। यह बावड़ियां आने वाले दिनों में जलसंकट होने पर लोगों के लिए कारगर साबित हो सकती है।

नर्मदा प्रोजेक्ट की लाइन नहीं सुधरी, नगर निगम के टैंकर भी रहे गायब

भीषण गर्मी में एक सप्ताह से पानी को तरस रहे इंदौरवासी

संवाददाता ● इंदौर

परेशानी

स्वच्छता में सात बार से नंबर-1 इंदौर शहर के लोग लगातार एक सप्ताह से पानी के लिए तरस रहे हैं। आज लगातार छठा दिन है जब नर्मदा का पानी नलों के माध्यम से सप्लाई नहीं किया जा सका। उधर, निगम अधिकारी यह भी नहीं बता पा रहे हैं कि लाइन कब और कितने दिन में सुधारी जा सकती है।

आज शहर में पश्चिम क्षेत्र में पानी की सप्लाई का दिन है, लेकिन नर्मदा के पानी से टंकियां नहीं भर पाने के कारण लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकते दिखाई दिए। नगर निगम के अधिकारी शायद इसे भी पानी बचाने का एक संदेश ही बताएंगे। लोग सुबह से ही बर्तन लेकर पानी की तलाश करते दिखाई दिए। उधर, नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपए लोकधन खर्च कर चलाए जा रहे जलप्रदाय के टैंकर भी गायब रहे। जहां इक्का दुक्का टैंकर दिखाई दिए वे लोगों को पानी न देते हुए मकान बनाने वाले लोगों को पानी बेचते दिखाई दिए।

जानकारी अनुसार नर्मदा प्रोजेक्ट की लाइन में लीकेज के कारण पंप बंद किए गए हैं। इस कारण जहां मंगलवार को पश्चिम क्षेत्र में भीषण जलसंकट रहा तो बुधवार को भी शहर भीषण जल संकट की चपेट में रहा। इससे लोग इंतजार करते रहे, लेकिन नलों से पानी नहीं आया। कुछ लोगों ने नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारियों को फोन लगाए और अधिकांश लोगों ने वैकल्पिक व्यवस्था कर दिनचर्या को सुचारु करने की कोशिश की है। नर्मदा प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने तो जनता के फोन उठाना तक भी उचित नहीं समझा।

लोग पानी के लिए भटकते रहे

लगातार दूसरे दिन शहर में नलों से पानी नहीं आने के कारण लोग पानी के लिए भटकते दिखाई दिए। उधर नगर निगम करो पर करोड़ों रुपए लोकधन खर्च कर लोगों को पानी बांटने के लिए कम पर लगाया है, वे टैंकर भी गली मोहल्ले कॉलोनी में दिखाई नहीं दिए। कहने का मतलब साफ है कि विशाल गर्मी में लोगों की पानी की परेशानी दूर करने में नगर निगम अधिकारियों ने कोई सरोकार नहीं दिखाया। शहर में कब तक जलापूर्ति सुचारु होगी इस संबंध में नर्मदा प्रोजेक्ट के प्रभारी संजीव श्रीवास्तव से उनके मोबाइल नंबर पर चर्चा करना चाही, लेकिन उन्होंने मोबाइल रिसीव नहीं किया।

सेंट्रल जाति प्रमाण पत्र पांच वर्ष के लिए हो वैध, ज्ञापन

इंदौर। मीणा समाज शक्ति संगठन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मांग की कि पिछड़ा वर्ग के सेंट्रल जाति प्रमाण पत्र की वैधता 1 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष की जाए। संगठन का कहना है कि वर्तमान में प्रमाण पत्र की अवधि केवल 1 वर्ष है, जो बहुत कम है। स्थाई जाति प्रमाण पत्र की तरह इसकी भी अवधि लंबी होनी चाहिए। इंदौर जिला अध्यक्ष पंकज मीणा ने मंच पर जाकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि बार-बार प्रमाण पत्र बनवाने से समाज के लोगों को परेशानी होती है। समय और संसाधनों की भी बर्बादी होती है। मुख्यमंत्री ने ज्ञापन को ध्यान से पढ़ा। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस पर जल्द कार्रवाई की जाएगी। मीणा समाज के सभी बंधु मण्डल अध्यक्ष संजय मीणा, राजेश मीणा, पिंटू जिराती, योगेश जिराती, सचिन मीणा, रवि मीणा, हेमंत मीणा, रोहित जी गोठवाल, धीरजमीणा, संदीप मीणा, विकाश मीणा और अन्य मौजूद थे।

दुष्प्रवृत्तियों का सामना संगठित होकर करें : साध्वी कृष्णानंद

संवाददाता ● इंदौर

कंस व्यक्ति नहीं, प्रवृत्ति है, जो आदिकाल से चली आ रही है। दुष्टों और असुरों की कोई अलग शक्ल नहीं होती, लेकिन उनकी प्रवृत्तियां मानवता के विरुद्ध होती है। ऐसे लोगों को परमात्मा भी क्षमा नहीं कर सकते। वर्तमान दौर में हमें सनातन धर्म की मजबूती के लिए एकजुट होकर समाज की दुष्ट प्रवृत्तियों का मुकाबला वैसे ही करना होगा, जैसे द्वापर युग में भगवान कृष्ण ने किया। हमारे धर्मग्रंथ हमें वह विवेक देते हैं, जिससे हम अपने कर्मों को सुधारकर एक ऐसे परिवार और समाज का निर्माण कर सकते हैं, जहां सत्य की प्राण प्रतिष्ठा हो और जहां हम धर्म और संस्कृति के मार्ग पर चलते हुए अनीतियों का संगठित होकर मुकाबला कर सकें। ये दिव्य विचार हैं वृंदावन-हरिद्वार की साध्वी कृष्णानंद के, जो उन्होंने मनोरमागंज स्थित गीता भवन सत्संग सभागृह में मंगलवार को आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज के सानिध्य में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में कृष्ण-सुदामा मिलन एवं भागवत के समापन प्रसंग के दौरान व्यक्त किए। प्रारंभ में व्यासपीठ का पूजन समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, ललित अग्रवाल श्याम अग्रवाल मोमबत्ती, किशोर गोयल के साथ कमलेश, गौरव, अर्पित शिवहरे एवं प्रमोद बिंदल आदि ने किया। वृंदावन से आए भजन गायकों ने आज भी भक्तो को खूब थिरकाया। साध्वी कृष्णानंद ने राधे-राधे जपो चले आएंगे बिहारी... भजन पर तो समूचे सत्संग सभागृह को मंत्रमुग्ध बनाए रखा। कथा समापन पर सैकड़ों भक्तों ने भगवान के साथ फूलों की होली खेली।

लीटरबिन में कचरा डालने पर स्पॉट फाइन

नगर निगम के झोन 02 के वार्ड 69 मालगंज चौराहा पर लगे लीटरबिन में रहवासी परितोष शर्मा द्वारा कचरा डालने पर सीएसआई अनिल सिरसिया, सचिन नकवाल ने 500 रुपए का स्पॉट फाइन किया।

इंदौर को मिलेगा 'भारत वन' शहर का मध्य बनेगा हरित क्षेत्र

महापौर ने वरिष्ठों-अधिकारियों के साथ किया स्थल निरीक्षण

संवाददाता ● इंदौर

निरीक्षण

शहर के हरित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आज वरिष्ठ नागरिकों, पर्यावरणविदों, नगर निगम अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ प्रस्तावित 'भारत वन स्थल' का निरीक्षण किया। यह वन करीब 36 एकड़ क्षेत्र में फैले पुराने मैदान पर विकसित किया जाएगा, जो शत-प्रतिशत हरित क्षेत्र (ग्रीनरी) पर आधारित होगा। महापौर भार्गव ने कहा, "हमारी योजना थी कि शहर के मध्य एक ऐसा वन तैयार किया जाए जो शुद्ध पर्यावरण के साथ-साथ इंदौर के लिए 'लंग्स' का कार्य करे। आज हमने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर सुझाव लिए हैं और सभी की सहमति है कि इस क्षेत्र को पूरी तरह हरित क्षेत्र में बदला जाएगा। साथ ही यहां एक बड़ा तालाब भी निर्मित किया जाएगा।" इस भारत वन में देश के विभिन्न राज्यों की जैव विविधता, फ्लोरा-फौना को सम्मिलित किया जाएगा। वहां के पक्षी निवास स्थानों (बर्ड हैबिटेट्स) को ध्यान में रखकर विकास कार्य होंगे। यह परियोजना न केवल पर्यावरण को सशक्त करेगी, बल्कि आसपास के जलस्तर को भी बढ़ाने में सहायक होगी। महापौर ने इस पहल को इंदौर के लिए एक बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि भारत वन आने वाले वर्षों में शहरवासियों के लिए एक शुद्ध श्वास-स्थल और प्राकृतिक आकर्षण का केंद्र बनेगा।

घर के सामने शोर मचाने को लेकर दो पक्षों में चले हथियार

इंदौर। देहात क्षेत्र बड़गोंदा में घर के सामने शोर मचाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद के चलते लात-घूंसे और हथियार चल गए। दोनो पक्षों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया, जिसमें दोनों पक्ष से दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक विवाद और मारपीट की घटना थाना बड़गोंदा इलाके के ग्राम नाहरखोदरा में हुई। पुलिस ने एक पक्ष से फरियादी परसराम पिता तुलसीराम वसुनिया (55) निवासी नाहरखोदरा की रिपोर्ट पर आरोपी कमल पिता मोहन, छोटू पिता हीरालाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मैं और मेरी पत्नी शायर बाई आपस में चिल्ला चोट कर रहे थे। तभी पड़ोस के रहने वाले कमल व छोटू आए और बोलने लगे की तुम घर के सामने गाली-गलौज क्यों कर रहे हो। मैंने बोला कि हम आपस में चिल्ला चोट कर रहे हैं। इसी बात को लेकर आरोपियों ने गालियां दी और मारपीट की। आरोपी कमल ने मुझे चाकू से मारा जिससे गाल पर चोट लगी और खून बहने लगा।

'सोशल मीडिया से छात्रों में तनाव, अकेलापन बढ़ा, मानवीय शिक्षा से आत्मनिर्भरता सम्भव'

संवाददाता ● इंदौर

पहल

मानव चेतना विकास केंद्र, पिवडाय, इंदौर में राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत दो वर्षीय अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत प्रायोजित 30 दिवसीय - आत्मनिर्भरता से पूरकता की कार्यशाला 1-30 अप्रैल को संपन्न हुई। इसमें प्रदेश के विभिन्न चयनित शैक्षणिक संस्थाओं के 20 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

डॉ. अभय वानखेड़े, अनुसंधान परियोजना निदेशक ने स्पष्ट किया की युवाओं को रोजगार और कौशल आधारित शिक्षा के साथ परिवार मूलक मानवीय शिक्षा का समावेश अत्यंत आवश्यक है। मानवीय मूल्य शिक्षा के भाव और बढ़ते सोशल मीडिया के प्रभाव से विद्यार्थियों में तनाव, अकेलापन, भय व आलस्य बढ़ा है।

अपनी मौलिक चाहना के अध्ययन अभ्यास से मानसिक स्वतंत्रता व निर्णय लेने योग्यता का विकास होता है, फलतः विद्यार्थियों में मानसिक, भावनात्मक, और आर्थिक स्वतंत्रता से पूर्ण होना बनता है जिससे प्रत्येक मानव में बौद्धिक समाधान और परिवार में भौतिक समृद्धि को सुनिश्चित किया जा सकता है। राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग इसी दिशा में प्रयासरत है। इसी क्रम में इस अनुसन्धान परियोजना के द्वारा मानव में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता की पहचान कर स्वयं में सुखपूर्वक, परिवार में समृद्धि, समाज में अभयता और प्रकृति में सहअस्तित्व पूर्वक जीने के शिक्षा संस्कार का अभ्यास करते हुए समीक्षा कर विषय वस्तु से अवगत कराया। छात्रों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न आधारित तकनीकी सत्र आजादी क्या है, असली चाहत क्या, मेरा महत्व क्या, क्या तय करे, कैसे तय करे, मेरा रोल क्या, में कौन, मेरा फैलाव क्या, मेरी पहचान क्या, सम्मान क्या, क्यों कैसे, थैंक्स क्या का समाधान भी किया। सभी सत्रों को मानव चेतना विकास केंद्र में मानवीय शिक्षा व्यवस्था के साथियों ने पूर्ण किए।

प्रश्नों का उत्तर देकर भी किया जागरूक

संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने कॅरियर, दोस्ती में शोषण, प्रतियोगिता, दूसरों से अपेक्षा, माता- पिता के बढ़ती दूरी और अकेलेपन जैसे प्रश्न पूछे, जिसके तार्किक, व्यावहारिक, सार्वभौमिक उत्तर अजय दायमा, संस्थापक - मानव चेतना विकास केंद्र द्वारा सहजता से दिए गए। सभी सहभागियों में समझाने और सिखाने की अनुकूलता के लिए उन्हें अपने अभिभावक/ मेंटर के साथ भी रहने का समय दिया गया। समझे हुए को समझाने, जानने को बताने की प्रक्रिया में प्रस्तुतीकरण के दो भाग स्पष्ट किये गए। पहला बोलकर व्यक्त होना और दूसरा जीकर व्यक्त होना।

निकनेम और पारिवारिक निकटता में क्या कोई संबंध है?

मंगलवार की शाम मैंने देखा कि 20-22 साल का एक युवा अपनी फैमिली कार को कॉलोनी की सड़क के बीच में रोककर खड़ा था। तभी उसके पीछे खड़ी गाड़ियों ने हॉर्न बजाना शुरू कर दिया। उनमें से एक व्यक्ति कार से उतरा- जो गाड़ी पार्क करने के इंतजार में खड़ा था- और युवक से बोला, ह्यचिंटू, गाड़ी साइड में करना। छह फुट दो इंच का वह युवक गाड़ी से उतरकर गुस्से में उस व्यक्ति से बोला, ह्यमुझसे ऐसा कहने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? क्या मैं तुम्हें चिंटू लगता हूं? तुम कौन होते हो मुझे इस नाम से बुलाने वाले?ह्ल वह बरसता रहा और दूसरे व्यक्ति की बात सुनने से इंकार कर दिया, जो उसे समझाने की कोशिश कर रहा था कि ह्यमैंने तुम्हें इस नाम से इसलिए बुलाया क्योंकि मैंने तुम्हारे माता-पिता को पिछले 20 साल से घर की खिड़की से तुम्हें इसी नाम से बुलाते सुना है।ह्ल

वो युवा शायद इस बात से अनजान था कि निकनेम के मामले में अक्सर लोग थोड़ी छूट ले लेते हैं और नाम अक्सर बिना अनुमति के दिए जाते हैं। दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर भी ऐसे ही एक व्यक्ति थे, जिन्हें ह्यचिंटूह्ल कहने पर बेहद गुस्सा आता था। इस तीखी बहस से मुझे ऋषि कपूर का 2018-19 का एक ट्वीट याद आया, जिसमें उन्होंने टोपी पहने हुए एक तस्वीर शेयर की थी, जिस पर ह्यचिंटूह्ल लिखा था। उस ट्वीट में अभिनेता ने बताया था कि उन्होंने ह्यऋषि कपूरह्ल कहलाने के लिए कितनी मेहनत की और अपने बच्चों, रणबीर-रिद्धिमा को कोई निकनेम नहीं दिया।

उन्होंने एक अवॉर्ड फंक्शन में भी खुलकर नाराजगी जाहिर की थी, कैसे सागर फिल्म के निर्देशक रमेश सिप्पी इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें उनके निकनेम से बुलाते थे, जबकि कमल हासन को उनके नाम से। जब हम किसी अनजान व्यक्ति को निकनेम से बुलाते हैं, तो ये रिश्ते में अनादर या स्नेह का संकेत भी हो सकता है, जैसे वे परिवार का हिस्सा हों। खासकर लड़कों को उनके टीममेट्स-रूममेट्स निकनेम से बुलाते हैं। मेरे कॉलेज के दिनों में भी मुझे कुछ करीबी लोग ह्यएनआरह्ल नाम से बुलाते थे और मैं लंबे समय तक इसी नाम से साइन करता था।

आज भी कई लोग मानते हैं कि निकनेम अंतरंगता का संकेत होते हैं। 1960 के दशक में मैंने गुल्लू, बाबड़्या, कैंची (क्योंकि उसकी जुबान तेज थी) यहां तक कि स्कूटर (क्योंकि बच्चा हमेशा खिलौना स्कूटर चलाने में व्यस्त रहता था और परिवार में उसकी उम्र के की बच्चे थे, इस नाम से उसे आसानी से पहचान सकते थे) जैसे नाम तक सुने थे।

तथाकथित रूप से वो बचकाने नाम, जिन नामों से माता-पिता बच्चों को बुलाते हैं, वे नाम आपस में बंधन मजबूत करते हैं और ज्यों-ज्यों बच्चे बड़े होते जाते हैं, माता-पिता उन्हीं नामों से बुलाकर रिश्तों में वही गर्मजोशी रखते हैं। पर कुछ बच्चों के लिए, जैसा कि ऊपर बताया गया है, निकनेम अपमानजनक और स्नेही के बीच में कहीं होते हैं और आजकल के बच्चे अपनी-अपनी परिस्थिति के अनुसार इनमें से कोई एक चुन लेते हैं।

तथाकथित रूप से वो बचकाने नाम, जिन नामों से माता-पिता बच्चों को बुलाते हैं, वे नाम आपस में बंधन मजबूत करते हैं और ज्यों-ज्यों बच्चे बड़े होते जाते हैं, माता-पिता उन्हीं नामों से बुलाकर रिश्तों में वही गर्मजोशी रखते हैं। पर कुछ बच्चों के लिए, जैसा कि ऊपर बताया गया है, निकनेम ह्यअपमानजनकह्ल और ह्यस्नेहीह्ल के बीच में कहीं होते हैं और आजकल के बच्चे अपनी-अपनी परिस्थिति के अनुसार इनमें से कोई एक चुन लेते हैं।

मैंने नामकरण का अध्ययन करने वाले एक ओनोमैसटिशियन (डल्लङ्कें२३ूल्ल२) से भी संपर्क किया और पूछा कि क्या वे किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो निकनेम का अध्ययन करता हो। लेकिन उन्हें कोई ऐसा विशेषज्ञ नहीं मिला। पर मैंने देखा है कि नए प्रशिक्षु या इंटर्न अपने निकनेम से बुलाए जाने से नफरत करते हैं। उनकी लिंक्डइन प्रोफाइल होती हैं और वे बहुत कम उम्र में स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं। मैंने देखा है कि निकनेम वाले लोगों पर अपने असली नाम को साबित करने का दबाव होता है- यह आधुनिक समय की बढ़ती हुई समस्या है। उनके लिए निकनेम के साथ गंभीर रहना कठिन होता है, इसलिए वे अपने नाम से बुलाए जाने पर जोर देते हैं। माता-पिता अगर बच्चों से एक बॉन्डिंग पैदा करने के लिए उनका कोई निकनेम रख रहे हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि यह बच्चों की नजर से अपमानजनक न हो। फंडा यह है कि मैं एकदम सटीक तरीके से यह नहीं कह सकता कि निकनेम की कमी ही परिवार के सदस्यों में निकटता में कमी आने का एकमात्र कारण है। न्यूक्लियर फैमिली और फैंसी नाम भी आधुनिक घरों में निकनेम नहीं रखने के अन्य कारण हैं। आप क्या कहते हैं? मुझे लिखें।

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

मुल्क मजबूत रहेगा, तभी न्यायपालिका है, संसद है...

न्यायपालिका में समाहित है- न्याय। न्याय में ईश्वरत्व है। न्यायपालिका, समाज-समय के श्रेष्ठ मूल्यों, नैतिक सत्वों, उच्चतर संस्कारों की नींव पर विकसित है। आजादी बाद, इस बुनियाद में न जाने कितने गुमनाम दधीचियों की हड्डियों की आहुति है। ऐसे ही कुछेक गुमनाम दधीचियों का पुनर्स्मरण। उच्च न्यायालय से रिटायर थे- जज एसके धर। तीन वर्ष से कम पद पर रहे, इसलिए पेंशन के हकदार नहीं थे। इलाहाबाद से रिटायर थे, इसलिए वहां प्रैक्टिस नहीं की। दिल्ली गए। आंखों में तकलीफ हुई। अभावों के दिन आए।

घर आगरा लौट गए। उनकी स्थिति जानकर कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने उन्हें आर्बिट्रेटर (पंच) बनाया। बदले में 50 हजार फी। न्यायमूर्ति धर ने मना कर दिया। मुख्य न्यायाधीश को लगा, फी कम है। बढ़ाकर एक लाख किया। धर ने लिखा, फी कम होने से उन्होंने प्रस्ताव नहीं ठुकराया।

एडिट.नोट

उन्हें पैसों की सख्त जरूरत है। पर आर्बिट्रेटर न बनने का फैसला न्यायमूर्ति पद पर कुछ दिनों रहने के कारण किया है। उसकी गरिमा-मयार्दा के तहत। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति थे- विजन कुमार मुखरीजा। एक दिन प्रधानमंत्री नेहरू ने उनसे संपर्क किया। कहा, आप अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे न्यायमूर्ति पतंजलि शास्त्री के रिटायर होने पर (1954)। पर वरीयता में न्यायमूर्ति मेहरचंद महाजन थे।निजी कारणों से महाजन पंडितजी की पसंद नहीं थे। इस प्रस्ताव पर जस्टिस मुखरीजा ने तत्काल प्रधानमंत्री को कहा कि वरीयता में न्यायमूर्ति महाजन हैं। अगर वे मुख्य न्यायाधीश नहीं बने, तो वे और उनके अधिसंख्य सहयोगी जज विरोध में इस्तीफा देंगे। जस्टिस महाजन ही मुख्य न्यायाधीश बने। उनके बाद 1954 (दिसंबर) में न्यायमूर्ति मुखरीजा मुख्य न्यायधीश हुए। ऐसे अनेक ह्यदधीचिह्ल रहे हैं, न्यायपालिका में।वरीयता तोड़ मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति का मिजाज आजादी बाद से ही है। 1974-75 के बाद इसका नग्न खेल दिखा। लेकिन वरीयता छोड़ इस केंद्र सरकार पर मुख्य न्यायाधीश नियुक्ति का आरोप, तो कटु विरोधी भी नहीं लगा सकते?

ऐसे ही ह्यदधीचिह्ल जजों के संस्कार, आचरण, मूल्यों पर चलने वाले वकील रहे हैं इस मुल्क में। बड़े वकील (इलाहाबाद हाईकोर्ट) थे- कैलाश नाथ काटजू। मुख्यमंत्री, राज्यपाल भी रहे। बंगाल के राज्यपाल थे। उनके बेटे शिवराज काटजू को एक कंपनी ने बोर्ड आफ डायरेक्टर्स में रखने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने पिता से राय ली।

पिता ने बेटे को ऐतिहासिक पत्र लिखा। मर्म है- यह पद तुम्हें शायद मेरे राजनीतिक महत्व के कारण मिल रहा है। अगर कंपनी बोर्ड में शामिल होना, तो बताना। गवर्नर पद छोड़कर इलाहाबाद लौट आऊंगा। यह नैतिक ऊंचाई थी! राजेंद्र बाबू पटना में वकील थे। अफ्रीका में गांधी के अभिन्न सहयोगी रहे थे- भवानी दयाल संन्यासी। आजादी की लड़ाई के बड़े नाम।उनके एक रिश्तेदार नामी वकील की तलाश में थे। संन्यासी ने राजेंद्र बाबू के पास उन्हें भेजा। लौटकर संन्यासी से उन्होंने शिकायत की, हमें वकील के पास भेजा था या महात्मा के पास? फर्जी आरोपों-तर्कों को सुन राजेंद्र बाबू ने झूठा मुकदमा लेने से इनकार कर दिया था।

महात्मा गांधी भी एक वकील थे। अनेक प्रसंग हैं। वे कहते थे कि एक वकील का फर्ज कानूनी और विरोधी लाभों का फायदा उठाना नहीं है। समझौता-मेल-मिलाप को बढ़ावा देना है। अनेक चर्चित मुकदमों में गांधी ने नैतिक सच का पक्ष लिया। अदालत के बाहर प्रतिद्वंद्वियों में सुलह कराई। गलत करने वालों ने अदालत के सामने सच कबूले। पूर्व जज धर, पूर्व मुख्य न्यायाधीश मुखरीजा, वकील रहे काटजू, वकील के रूप में जीवन शुरू करने वाले राजेंद्र बाबू-गांधी जी जैसे अनेक दधीचियों की आहुति पर भारतीय न्यायपालिका की लोकप्रतिष्ठा है। इसकी रक्षा खुद न्यायपालिका को करनी है। आज, दुनिया की भू-राजनीति का सबसे बड़ा सच क्या है? आर्थिक महाशक्ति बने बिना भविष्य नहीं है। भारत ताकतवर बनने के रास्ते पर है। मुल्क मजबूत रहेगा, तभी न्यायपालिका है, संसद है, दल हैं, आजादी है या हम हैं। वक्त है कि सभी पक्ष-संवैधानिक अंग, समय के इस नाजुक पल को पहचानें व मुल्क के लिए राष्ट्रीय सहमति बनाएं।

रश्मि बंसल - लेखक

बंटवारा अब इतिहास है, फिर क्यों नफरत का अहसास है?

नएक घर में एक ही मां के दो बेटे जन्मे। दोनों भाई साथ पले-बढ़े, बचपन में एक-दूसरे से गहरा लगाव था। लेकिन जवानी में साफ दिखने लगा कि भाई होते हुए भी दोनों का नेचर बहुत अलग है। बड़ा भाई मिलनसार था, उदार था। छोटा भाई झगड़ालू। खैर, कुछ समय तक सब ठीक था। छोटा भाई बाहरवालों के साथ झगड़ा करता था, घर में नहीं। दोनों साथ काम करते थे, साथ रहते थे। फिर अचानक, कुछ बदल गया। छोटे भाई के मन में खोट आ गई, कि यहां तो बड़े भाई की ही चलती है। मेरा कोई वजूद, कोई अहमियत नहीं।

ख्याल होता है बीज, अगर उसे हवा-पानी मिले, तो जड़ पकड़ लेता है। पानी देने वालों की तो कोई कमी नहीं। हां, तू सही है, ये सुन-सुन कर छोटे की छठी फूल गई। बड़े भाई की हर बात अब उसे बुरी लगनी लगी। ऐसा लगने लगा कि हमारे बीच कभी प्यार था ही नहीं, सब ढोंग था। एक दिन, बेचैनी की हद पार हो गई। छोटा भाई बड़े के पास पहुंचा और चिल्लाके बोला- मैं अलग होना चाहता हूं। बड़े ने सुना, लेकिन बात को सीरियसली नहीं लिया। उसे अपने भाई का नेचर पता ही था। गुस्से में है, शांत हो जाएगा। हम अलग थोड़े ही हो सकते हैं...

लेकिन छोटे भाई का दिल कठोर हो चुका था, वो कुछ सुनने को तैयार ही नहीं। उसने पैर पटककर ऐसा हंगामा किया कि भीड़ जमा हो गई। सब तमाशा देख रहे थे। बड़े भाई की आंखों में आंसू। क्यों छोटा मुझसे इतना नाराज है? जरूर मुझसे ही कोई भूल हुई होगी...

लाख मनाने पर भी जब वो नहीं माना, तो बड़े ने कहा, ठीक है। ले अपना हिस्सा, अलग हो जा। तेरी खुशी में मेरी खुशी। बंटवारा करने के लिए किसी बाहरवाले को बुलाया गया। वो आदमी इनके बारे में कुछ नहीं जानता था। उसने काफी कैजुअल तरीके से एक लाइन बनाकर प्रॉपर्टी के दो हिस्से कर दिए। बड़े भाई ने देखते ही भांप लिया कि उसके साथ नाइंस-ाफी हुई है। लेकिन वो और झगड़ा नहीं चाहता था। उसका दिल बड़ा था, और हौसला भी। उसने सोचा, चलो, छोटे की किस्मत। मैं मेहनत करूंगा, और कमा लूंगा। आपस में प्यार थोड़ा बना रहे, मेरे लिए बहुत है। लेकिन इतना कुछ पाकर भी, छोटे को सुकून ना मिला। उसकी आंख थी एक प्रॉपर्टी पर, जो बड़े के हिस्से में चली गई थी। वो जगह कुछ ऐसी थी, स्वर्ग जैसी। बर्फ के पहाड़ों के बीच, नशीले मौसम वाला पर्यटन स्थल। छोटे का मन नहीं माना- ये तो मेरी होनी चाहिए, उसके अंदर के शैतान ने कहा। रात के अंधेरे में, गुंडे भेजकर, आधी प्रॉपर्टी उसने अपने कब्जे में कर ली।

बड़ा भाई भौचक्का- इतनी नीच हरकत? फिर भी, शायद दिल मनाने को तैयार नहीं। वो जानता था मैं सही हूं, इसके लिए उसने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कि मामला सभ्यता से निपटाया जाए। छोटे को अब विश्वास हो गया, मेरा भाई कमजोर है। वो मुझसे लड़ने में कतराता है। इसका मैं फायदा उठा सकता हूं। कुछ साल बाद, उसने फिर हमला किया। इस बार बड़ा भाई पीछे नहीं हटा। जैसे कुरुक्षेत्र में अर्जुन ने अधर्म के खिलाफ तीर-कमान उठाया था, कृष्ण भगवान के कहने पर।

बड़ा जीत गया, छोटे ने फिर ललकारा। इस बार छोटे की इतनी बड़ी हार हुई कि एक हाथ भी कट गया। लेकिन सबक सीखने के बजाय वो और धूर्त हो गया। खैर, बड़ा भाई इस दौरान मेहनत और किस्मत से काफी आगे भी बढ़ गया था।मैं मेहनत करूंगा, और कमा लूंगा। आपस में प्यार थोड़ा बना रहे, मेरे लिए बहुत है। लेकिन इतना कुछ पाकर भी, छोटे को सुकून ना मिला। उसकी आंख थी एक प्रॉपर्टी पर, जो बड़े के हिस्से में चली गई थी। वो जगह कुछ ऐसी थी, स्वर्ग जैसी। बर्फ के पहाड़ों के बीच, नशीले मौसम वाला पर्यटन स्थल। छोटे का मन नहीं माना- ये तो मेरी होनी चाहिए, उसके अंदर के शैतान ने कहा। रात के अंधेरे में, गुंडे भेजकर, आधी प्रॉपर्टी उसने अपने कब्जे में कर ली। अब उसका घर-परिवार फल-फूल रहा था, वहीं छोटे की हालत ऐसी कि उधार पे उधार। अलग तो हो गए, लेकिन छोटे को सुख नहीं मिला। आज भी वो अपने बगीचे में पानी देने के बजाय भाई के बगीचे से आम तोड़ने की फिराक में रहता है। बंटवारा तो अब इतिहास है, फिर क्यों नफरत का अहसास है? नई पीढ़ियां पैदा हो गईं, तुम खड़े हो वहीं के वहीं। एक ही मां के ये दो बच्चे, क्यों हैं धागे इतने कच्चे? इक कैंची लेकर खड़ा हुआ है, मार-काट पर तुला हुआ है। अब हम चुप नहीं रह सकते। अब ये जुल्म नहीं सह सकते। तुम्हें सबक सिखाना होगा, बल अपना दिखाना होगा। तू नालायक निकला भाई, इसमें है ना अब दो राय।

बिजनेस

सेंसेक्स 70 अंक चढ़कर 80,288 पर बंद

अप्रैल में गाड़ियों की बिक्री में 7.5% की गिरावट, लेकिन ईवी की सालाना बिक्री में 30% की बढ़त

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 की शुरूआत ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए कुछ खास अच्छी नहीं रही है। अप्रैल महीने में देश में कुल 20.6 लाख गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन हुईं, जो पिछले साल की तुलना में 7.5 प्रतिशत कम हैं।वित्त वर्ष 2025-26 की शुरूआत ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए कुछ खास अच्छी नहीं रही है। अप्रैल महीने में देश में कुल 20.6 लाख गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन हुईं, जो पिछले साल की तुलना में 7.5 प्रतिशत कम हैं। हालांकि, अगर मार्च के मुकाबले देखें तो गिरावट थोड़ी कम, करीब 4 प्रतिशत रही, क्योंकि मार्च में यह आंकड़ा 21.5 लाख यूनिट्स का था।

अप्रैल में पैसेंजर गाड़ियों की बिक्री में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मार्च में जहां 3.49 लाख कारें बिकी थीं, वहीं अप्रैल में यह संख्या घटकर करीब 3.18 लाख रह गई। इससे साफ है कि लोग कार खरीदने से थोड़ा हिचक रहे हैं।अगर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की बात करें, तो अप्रैल में इस सेक्टर को बड़ा झटका लगा है। ईवी रजिस्ट्रेशन मार्च की तुलना में 37 प्रतिशत गिरकर सिर्फ 1.5 लाख यूनिट्स रह गईं। लेकिन अगर साल दर साल तुलना करें, तो ईवी की बिक्री में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसकी एक वजह यह भी है कि पिछले साल अप्रैल में ऋअटए क्क(फेम 2) सब्सिडी खत्म हो चुकी थी, जिससे मांग थोड़ी धीमी थी।भारतीय ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स की संस्था रक्अट (सियाम) का मानना है कि पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में पैसेंजर व्हीकल्स और ऑटो इंडस्ट्री की ग्रोथ सिर्फ 1-2 प्रतिशत के बीच रहेगी। इसका मुख्य कारण है - शहरों में कमजोर मांग, महंगी एसयूवी की ओर बढ़ता झुकाव और कारें खरीदना में आम लोगों का कम होता जा रहा समार्थ्य।मारुति सुजुकी के चेयरमैन आर.सी. भार्गव ने हाल ही में कंपनी की अर्निंग कॉल के बाद बताया कि इस साल भी कारों की मांग पर दबाव बना रहेगा। उन्होंने कहा कि बजट में जो टैक्स छूट दी गई है, वह छोटे कारों की बिक्री बढ़ाने के लिए काफी नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत में सिर्फ 12 प्रतिशत परिवार ही ऐसे हैं जिनकी सालाना आय 12 लाख रुपये से ज्यादा है। जो कि नई कार खरीदने के लिए जरूरी माना जाता है। ऐसे में जब 88 प्रतिशत लोग इस दायरे में नहीं आते और छोटे कारों की कीमत भी रेगुलेशन के कारण बढ़ती जा रही है, तो बड़ी ग्रोथ की उम्मीद नहीं की जा सकती।

पिछले साल की तुलना में 12.6% की बढ़ोतरी, अप्रैल 2025 में 2.37 लाख करोड़ रुपए का राजस्व

नई दिल्ली। सरकार ने अप्रैल 2025 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स 2.37 लाख करोड़ रुपए जुटाए। सालाना आधार पर इसमें 12.6% की बढ़ोतरी हुई है। ये ॠरळ कलेक्शन का रिका-र्ड है। इससे पहले हाईएस्ट जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड अप्रैल 2024 में बना था। तब सरकार ने 2.10 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। गुरुवार 1 मई को सरकार ने जीएसटी के आंकड़े जारी किए हैं। डोमेस्टिक ट्रांजैक्शन से 1.90 लाख करोड़ जुटाए सरकार ने इस दौरान डोमेस्टिक ट्रांजैक्शन से 1.90 लाख करोड़ टैक्स वसूला है। सालाना आधार पर इसमें 10.7% की ग्रोथ हुई है। वहीं, इम्पोर्ट के जरिए 46,913 करोड़ ॠरळ सरकार ने जुटाया है। एक साल में इसमें 20.8% की बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल में सरकार ने टोटल 27,341 करोड़ रुपए की राशि रिफंड की। रिफंड के बाद जुलाई के लिए नेट जीएसटी कलेक्शन 2.09 लाख करोड़ रुपए रहा।

पछले वर्ष की समान अवधि (जुलाई 2023) की तुलना में ये 9.1% ज्यादा है।जीएसटी कलेक्शन इकोनॉमिक हेल्थ का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। हायर कलेक्शन मजबूत उपभोक्ता खर्च, औद्योगिक गतिविधि और प्रभावी कर अनुपालन का संकेत देते हैं। अप्रैल महीने में बिजनेसेज अक्सर मार्च से वर्ष के अंत के लेन-देन को क्लियर करते हैं, जिससे टैक्स फाइलिंग्स और कलेक्शन्स में वृद्धि होती है। ङढटॠ के नेशनल हेड अभिषेक जैन ने कहा कि अब तक का हाईएस्ट जीएसटी कलेक्शन मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था को दशार्ता है। सरकार ने 1 जुलाई 2017 को देशभर में लागू किया था। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों के 17 करों और 13 उपकरों को हटा दिया गया था। जीएसटी के 7 साल पूरे होने पर वित्त मंत्रालय ने पिछले सात वर्षों के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों को लेकर पोस्ट किया। जीएसटी एक इनडायरेक्ट टैक्स है। इसे कई तरह के इनडायरेक्ट टैक्स जैसे सर्विस टैक्स, परचेज टैक्स, एक्साइज ड्यूटी को रिप्लेस करने के लिए 2017 में लागू किया गया था।

राज-काज

जापान कभी था आर्थिक महाशक्ति

नई दिल्ली। यह बात सन 2004 की है। उस समय दुनिया की आर्थिक महाशक्ति जापान (खंस्त्रंल्ल) के मुकाबले अमेरिकी स्टेट कैलिफोर्निया की जीडीपी दुनिया महज एक तिहाई थी। दो दशक बाद, अब स्थिति यह है कि कैलिफोर्निया ने जापान को पछाड़ दिया। अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह तो सिर्फ झांकी है। जापान को असली झटका तो इस साल के अंत में मिलेगा, जबकि भारत भी जापान से आगे बढ़ जाएगा। ऐसा अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जताया है।इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड और यू.एस. ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के आंकड़ों से पता चला है कि कैलिफोर्निया का नॉमिनल 4.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। गार्डियन के अनुसार, इसने जापान के 4.02 ट्रिलियन डॉलर के नॉमिनल को पीछे छोड़ दिया है। अब यह राज्य वरअ (29.18 ट्रिलियन डॉलर), चीन (18.74 ट्रिलियन डॉलर) और जर्मनी (4.65 ट्रिलियन डॉलर) के बाद चौथे स्थान पर है।

हर शेयर पर 7 रुपये डिविडेंड देगी अदाणी पोर्ट्स:चौथी तिमाही में मुनाफा 48% बढ़कर 3014 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली: अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (रएे) ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (द4ॠ25) में 8,770 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है। यह पिछले साल के मुकाबले 21.81% ज्यादा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 7,200 करोड़ रुपए की कमाई की थी। कुल कमाई में से कर्मचारियों की सैलरी, टैक्स, कच्चे माल की कीमत जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 3,014 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे। सालाना आधार (2024 के जनवरी-मार्च) पर यह 47.74% ज्यादा रहा। वहीं, पिछली तिमाही यानी अक्टूबर-दिसंबर के मुकाबले यह 20% बढ़ा है।

चौथी तिमाही (द4ॠ25) में अडाणी पोर्ट्स ने संचालन (प्रोडक्ट-सर्विस बेचकर) 8,488 करोड़ रुपए का राजस्व यानी रेवेन्यू जनरेट किया। पिछले साल के जनवरी-मार्च के मुकाबले यह 6.58% बढ़ा है। जनवरी-मार्च 2024 में कंपनी ने 7,964 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।चौथी तिमाही में नतीजों के साथ अडाणी पोर्ट्स एंड सेज ने अपने हर शेयरधारक को प्रति शेयर 7 रुपए डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे से कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को भी देती हैं, जिसे लाभांश कहा जाता है। कंपनी ने कहा है कि मौजूदा वित्त वर्ष यानी 2026 में कामकाजी मुनाफा (ऑपरेटिंग प्रॉफिट) 21,000 से 22,000 करोड़ रुपए के बीच रह सकती है। वित्त वर्ष 202-25 में यह 11,000 करोड़ रुपए से ज्यादा रहा है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में कंपनी की कार्गो वॉल्यूम 8% बढ़कर 118 मिलियन मीट्रिक टन (टटळ) रहा। वहीं, ऑपरेशनल परफॉर्मेंस में कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 24% की सालाना बढ़ोतरी साथ रिकॉर्ड 420 टटळ कार्गो हैंडल किया। यानी अडाणी पोर्ट्स से 420 मिलियन मीट्रिक टन सामानों की आवाजाही हुई।अडाणी पोर्ट्स ने आज यानी 1 मई को चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। आज शेयर बाजार बंद है। इससे पहले कल यानी 30 अप्रैल को अडाणी पोर्ट्स का शेयर 1216 रुपए के स्तर पर फ्लैट बंद हुआ था। कंपनी का शेयर एक महीने में 3.49% चढ़ा है। लेकिन, 6 महीने में 9.89%, एक साल में 9.19% और इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 0.24% गिरा है।

अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विभिन्न ट्रेड यूनियनों के श्रमिक रैली में भाग लेते हुए।

प्रदेश के पर्यटन स्थलों, वन्य क्षेत्रों और वन्य जीवों का रोमांचक अनुभव ले रहे आगंतुक

अतुलनीय मध्यप्रदेश पेवेलियन बना आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र

मृतस्य मध्यप्रदेश नृत्य प्रस्तुति से अतिथि होंगे अभिभूत

संवाददाता ● भोपाल

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 (WAVES) में एमपी टूरिज्म का 'अतुलनीय मध्यप्रदेश' पवेलियन, प्रदेश के पर्यटन स्थलों और संस्कृति के अनूठे और रोचक प्रस्तुतीकरण के कारण आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। जहां नवीनतम डिजिटल तकनीक से बने टच इनेबल्ड इंट्रेक्टिव मैप के माध्यम से मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में अतिथि जान रहे है। वहीं बड़ी एलसीडी स्क्रीन में चलने वाले के टीवीसी और विडियोज को देखकर प्रदेश की सुंदरता के प्रति मोहित हो रहे है।

तोफहा

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि WAVES 2025 जैसे वैश्विक मंच पर 'अतुलनीय मध्यप्रदेश' पवेलियन के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध पर्यटन विविधता, ऐतिहासिक धरोहरों, वन्य जीवन और सांस्कृतिक विरासत को नवीन तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। हमारा उद्देश्य देश–विदेश से आने वाले आगंतुकों को मध्यप्रदेश की खूबसूरती और संभावनाओं से परिचित कराना है। पवेलियन के माध्यम से निवेशकों, फिल्म निर्माताओं और पर्यटकों को आमंत्रित किया जा रहा हैं कि वे मध्यप्रदेश को अपनी प्राथमिक पसंद बनाएं। न सिर्फ पर्यटन के लिए बल्कि प्रदेश की नई पर्यटन एवं फिल्म नीति का लाभ उठाए और आर्थिक प्रगति भी करें।

प्रदेश के वन्य संपदा और ऐतिहासिक धरोहरों की रोमांचक यात्रा कराने के लिए पेवेलियन में आधुनिक तकनीक से बनी एनामॉर्फिक स्क्रीन लगाई गई है, जहां पर्यटन स्थलों, वन्य क्षेत्रों और वन्य जीवों को थ्रीडी तकनीक से प्रदर्शित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश टूरिज्म पॉलिसी और मध्य प्रदेश की फिल्म पॉलिसी से अवगत कराने के लिए टच स्क्रीन लगाई गई है, जहां इच्छुक पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से बिंदुवार जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ ही सभी आंगतुकों को ब्रोसर, मध्य प्रदेश का पर्यटन मैप, साहित्य और सोवेनियर भी प्रदान किए जा रहे हैं। पवेलियन को आकर्षक रूप से सुसज्जित किया गया है। साथ ही ऑकुलस के माध्यम से प्रदेश के पर्यटन स्थलों की वर्चुअल सैर भी करायी जा रही है। यहां देश–विदेश से आने वाले आर्टिस्ट, इनोवेटर्स, इंवेस्टर्स और पॉलिसी मेकर्स को मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों, प्रदेश की परंपराओं, संस्कृति, वन संपदा और वन्य जीवन के बारे में अवगत कराया जा रहा है। विशेष रूप से मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा मध्य प्रदेश शासन द्वारा लागू की गई नई फिल्म व टूरिज्म पॉलिसी के बारे में जानकारी दी जा रही है।

अमृतस्य मध्यप्रदेश नृत्य प्रस्तुति से अतिथि होंगे अभिभूत

वेव्स के दूसरे दिन शुक्रवार, 2 मई को शाम 4:30 बजे सांस्कृतिक संध्या में वैश्विक मंच पर अमृतस्य नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। नृत्य के माध्यम से प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत और समृद्ध संस्कृति का अनुभव आगंतुकों को कराया जाएगा। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत विविधता और पर्यटन स्थलों की खूबसूरती को प्रसिद्ध कोरियोग्राफर मैत्री पहाड़ी के निर्देशन में 100 से अधिक कलाकार अनूठे रुप में प्रस्तुत करेंगे। "अमृतस्य मध्यप्रदेश" ओजपूर्ण और लयबद्ध नृत्य के माध्यम से अतिथियों के बीच प्रदेश के वैभवशाली अतीत, समृद्ध संस्कृति और विरासत को जीवंत करेंगी।

शॉट न्यूज

भोपाल में लगें विवादित पोस्टर

भोपाल। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध देश भर में हो रहा है। इस बीच मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हिन्दू संगठनों ने कुछ ऐसे पोस्टर और बैनर लगा दिए हैं, जो विवादित हैं। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने भोपाल में जो पोस्टर लगाए हैं, उनपर लिखा है- 'अब तो नाम पूछना पड़ेगा'। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर और कलमा पढ़ाकर निर्दोष लोगों को मारने की बात सामने आई थी। 26 लोगों को उनका धर्म पूछकर तब मार दिया गया, जब वे कलमा नहीं पढ़ सके। इस बीच भोपाल में लगे पोस्टर्स पर लिखा गया है- 'आदत डालिए नाम पूछने की, बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए अब तो नाम पूछना ही पड़ेगा।' भोपाल की सड़कों और चौराहों पर लगे इन पोस्टर्स के जरिए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने आक्रोश जताया है।

टायर फटने के बाद दूल्हा-दुल्हन की कार में भड़क उठी आग, निकल भागे...

खरगोन। मध्यप्रदेश के खरगोन शहर से करीब 6 किमी दूर, खंडवा रोड पर देर रात एक बारात की कार अचानक धूं-धूंकर जल उठी। इस कार में पांच बारातियों और ड्राइवर के साथ ही दूल्हा और दुल्हन भी सवार थे। हालांकि गनीमत रही की समय रहते सभी ने कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। जानकारी मिलते ही खरगोन से पहुंचे फायर फाइटर ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह से जलकर खाक हो चुकी थी। फिलहाल जैतापुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। खरगोन में अक्षय तृतीया के मौके पर बड़ी संख्या मे विवाह समारोह हुए। ऐसे ही एक विवाह के बाद दुल्हन को लेकर बाराती लोनारा से बमनाला की ओर वापस लौट रहे थे, लेकिन इसी बीच देर रात बारात में शामिल दूल्हा-दुल्हन की कार में अचानक आग लग गई।

ऐशबाग में फिर सक्रिय हुआ ठग गिरोह

भोपाल। नकली नोटों की गड्डी थमाकर महिलाओं के जेवरात उतरवाने वाला गिरोह एक बार फिर से शहर में सक्रिय हो गया है। ऐशबाग इलाके में इसी प्रकार की एक घटना मंगलवार की सुबह हुई। पुलिस ने दो जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार जाग्रति कॉलोनी ऐशबाग में रहने वाली मीरा रैकवार (55) लोगों के घरों में काम करती हैं। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे वह एक घर से काम करने के बाद दूसरे घर काम पर जा रही थी। अस्सी फीट रोड स्थित एक मोबाइल दुकान के पास एक लड़का मिला और होशंगाबाद जाने का पता पूछने लगा। महिला ने उसे बताया कि होशंगाबाद जाने के लिए पहले रेलवे स्टेशन जाना पड़ेगा। वह उसे स्टेशन जाने का रास्ता बताने लगी, तभी एक अन्य युवक पहुंच गया।

कालापीपल के रामपुरा में सामूहिक विवाह में सीएम डॉ. मोहन यादव हुए शामिल

हमारे देश की संस्कृति उदार और महान, : सीएम डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

हमारी संस्कृति उदार और महान है। दुनिया में ऐसी कोई संस्कृति नहीं है, जिसमें भारत की तरह हर कार्य संस्कार के अनुसार होते हैं। हमारी संस्कृति में जन्म से लेकर मृत्यु तक संस्कार हैं, जिसमें पाणिग्रहण संस्कार भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर जिले की कालापीपल तहसील के ग्राम रामपुरा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत संपन्न हुए सामुहिक विवाह सम्मेलन में संबोधित करते हुए यह बात कही। सामूहिक विवाह में कुल 1247 विवाह हुए, जिसमें 1133 कन्याओं का विवाह हिन्दु रीति रिवाज के साथ तथा 114 निकाह हुए।

संबोधित

कार्यक्रम में नवविवाहित दम्पत्तियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की राशि 49 हजार रुपये के चेक प्रदान किए गए। कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा, संतश्री कल्याणदास महाराज, महामण्डलेश्वर संतश्री श्यामदास महाराज, महामण्डलेश्वर संतश्री रामगिरी महाराज, रघुनाथदास महाराज, श्री विष्णुपुरी महाराज, सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी, क्षेत्रीय विधायक घनश्याम चन्द्रवंशी, शाजापुर विधायक अरूण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, डॉ. रवि पाण्डे और अन्य मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवविवाहित दम्पत्तियों को शुभकामनाएं और आशीर्वाद देते हुए कहा कि बेटियां नए परिवार की सदस्य बनने जा रही है, जहां उसे नए माता-पिता मिलेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की दिशा क्या होना चाहिए? सरकार की सोच क्या होना चाहिए, सरकार के मनोभाव क्या होना चाहिए, इसका आदर्श उदाहरण हमारे अपनी संस्कृति से आता है। प्रदेश में जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं हुई है, उन स्थानों पर धार्मिक तीर्थ स्थल बनाएंगे। भगवान परशुराम की जन्म स्थली जानापाव को विकसित किया जाएगा। प्रदेश के प्रत्येक नगरीय निकाय में एक गीता भवन बनाएंगे, जहां युवाओं को पढ़ने का स्थान उपलब्ध कराने के लिए अच्छी लायब्रेरी बनाई जाएगी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश ना केवल फल-फूल रहा है, बल्कि सुख, आनन्द, वैभव के साथ विकास के समृद्धि के सारे द्वार भी खोल रहा है। देश के दुश्मनों को नेस्तनाबूत करने के लिए देश के खिलाफ काम करने वाले आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने में हमारी सरकार सक्षम है। हमारी सरकार का उद्देश्य गरीबों, महिलाओं, किसानों के साथ सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए विकास करना एवं बेहतर जीने के संसाधन मुहैया कराना है।

किसानों को देंगे 5 रुपए में बिजली कनेक्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आने वाले वर्षों में किसानों से 2700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीदी होगी। वर्तमान में 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीदी हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को सिंचाई के संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि वे समृद्धशाली बनें। किसानों के लिए 05 रुपये में बिजली का कनेक्शन देने का निर्णय लिया गया है। शाजापुर जिले में नदी जोड़ो अभियान के तहत पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना से किसान लाभांवित होंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसानों को एक-एक खेत को पानी उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। किसानों को सोलर पंप लगाने के लिए 5 लाख रुपये लगते हैं, सरकार 10 प्रतिशत की राशि में यानी की 50 हजार रुपये में सोलर पंप देगी, इससे किसानों को बिजली के बिल से मुक्ति मिलेगी। सोलर पंप के उपयोग के उपरांत बची हुई बिजली को सरकार भी खरीदेगी, इससे किसानों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि कृषि आधारित उद्योगों के लिए इन्दौर-उज्जैन संभाग के सभी किसानों को लेकर मन्दसौर के सीतामऊ में 03 मई को मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसमें किसानों के लिए उन्नत खेती, उद्योग आदि की जानकारी उपलब्ध रहेगी।

भोपाल में टैक्सी ड्राइवर ने महिला से की गंदी हरकत

संवाददाता ● भोपाल

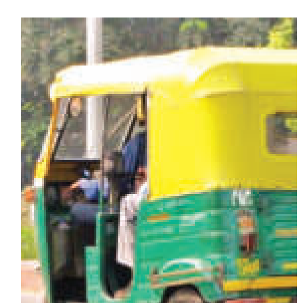

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक महिला को ऑनलाइन कैब बुक करना महंगा पड़ गया।। महिला ने बैरागढ़ से भोपाल शहर जाने के लिए ओला ऑटो बुक किया था। तभी ऑटो ड्राइवर महिला को सुनसान जगह में ले गया और बाथरूम जाने को बोलकर ऑटो से उतर गया। वहीं महिला को प्राइवेट पार्ट दिखाकर अश्लील हरकतें करने लगा। इसके बाद महिला घबरा गई और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

हरकत

दरअसल, ऑटो चालक ने सुनसान जगह पर अपना ऑटो रोका और बाथरूम करके आने का बहाना बनाकर ऑटो से नीचे उतर गया। जब थोड़ी देर बाद ऑटो चालक नहीं आया तो महिला ने उसे आवाज दी। वहीं ऑटो चालक महिला को अपना प्राइवेट पार्ट दिखाने लगा। महिला ने इसकी शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी ऑटो चालक को पकड़ लिया है और उसे अपने साथ थाने ले गई। आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है। महिला ने बैरागढ़ थाना पहुंचकर मामले की शिकायत की। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी ऑटो चालक सुनसान जगह पर ऑटो रोककर प्राइवेट पार्ट दिखने लगा। मुझे आरोपी के इरादे सही नहीं लगे। ऑटो चालक की हरकतों से मैं घबरा गई। मैं ऑटो से नीचे उतर गई और लिफ्ट लेकर घर पहुंची। घर पर परिजनों को घटनाक्रम बताया और थाने में शिकायत की।

आरोपी ऑटो चालक अरेस्ट

पुलिस का कहना है कि महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया है। महिला का आरोप है कि सुनसान और अंधेरी जगह लेकर जाकर आरोपी महिला के साथ अश्लील हरकतें करने की कोशिश कर रहा था। गाड़ी रोककर आरोपी ऑटो चालक महिला को अपना प्राइवेट पार्ट दिखा रहा था। महिला ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। आरोपी की पहचान कर ली गई है, वो ऑटो चलाता है और उसका नाम आमिर है जो ऐशबाग क्षेत्र का रहने वाला है।

मध्य प्रदेश में नौ वर्ष में 155 कॉलेज इंजीनियरिंग कॉलेजों पर डले ताले

संवाददाता ● भोपाल

एक ज़माना था जब भोपाल और इंदौर देश में इंजीनियरिंग शिक्षा के 'चार मीनार' समझे जाते थे। उत्तर भारत से छात्र यहां इसलिए आते थे कि पढ़ाई सस्ती थी, रहना आसान था और सपने बड़े थे, लेकिन अब हालात बदल गए हैं कैसे? ये इस आंकड़े से समझिए। साल 2015 में राज्य में इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या 300 थी जो आज आधे से भी कम यानि 140 रह गई हैं। अकेले राजधानी भोपाल में पिछले 9 साल में 60 से ज़्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज बंद हो चुके हैं। पूरे प्रदेश में ये आंकड़ा 155 तक पहुंच चुका है। क्या और कैसे पैदा हुए ये हालात आइए बताते हैं।

सबसे पहले हम पहुंचे भोपाल के ही रातीबड़ में...यहां मौजूद है 'गार्गी इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी'। ये नाम सुनते ही लगता है जैसे ज्ञान और विज्ञान की गंगा बहती होगी। कुछ वक्त पहले ऐसा था भी। यहां बीटेक, मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स की क्लासेस लगती थीं, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब यहां रिजॉर्ट बनाने की तैयारी हो रही है। कॉलेज अब बंद हो चुका है। यानी यहां डिग्री की जगह अब यहां 'डीलक्स रूम' मिलेगा। परेशान करने वाली बात ये है कि संस्थान की बर्बादी की कहानी सिर्फ कुछ महीनों में ही लिख दी गई।

अब बात भोपाल में ही मौजूद आलिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की।।।साल 2013 में इसकी स्थापना हुई। करीब एक दशक तक इस कॉलेज से तकनीकी प्रतिभाओं का उत्पादन हुआ लेकिन अब ये इंजीनियरिंग कॉलेज बंद हो चुका है। हालात इस कदर खराब हुए कि साल 2020 में बैंक ने इसे नीलाम कर दिया। अब यहां अरबिंदो कॉलेज ऑफ नर्सिंग चल रहा है। मतलब तकनीक से सेवा तक का सफर बहुत छोटा है। पूछने पर 201कोई भी ठीक-ठाक वजह नहीं बताया।

लव जिहाद को लेकर सामाजिक जागरूकता विशेष कार्यशाला आयोजित की

भोपाल में संस्कृति बचाओ मंच की पहल

संवाददाता ● भोपाल

राजधानी में लव जिहाद से बचाव के लिए संस्कृति बचाओ मंच की ओर से सामाजिक जागरूकता के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी, विशेष रूप से बेटियों और उनके अभिभावकों को सामाजिक चुनौतियों के प्रति सतर्क करना और उन्हें जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति बचाओ मंच की ओर से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। संस्कृति बचाओ मंच के अनुसार, इस पहल के तहत युवाओं को सामाजिक धोखाधड़ी और भावनात्मक शोषण जैसी स्थितियों से बचने के उपाय बताए गए। साथ ही, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी उपयोगी जानकारियां साझा की गईं।

पहल

कार्यशाला में मौजूद वक्ताओं ने पारिवारिक संवाद, पारंपरिक मूल्यों और आत्मरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि माता-पिता की भूमिका सिर्फ पालन-पोषण तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें अपनी संतानों के सामाजिक व्यवहार पर भी सतत निगरानी रखनी चाहिए। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि धार्मिक और सांस्कृतिक संस्थानों को समाज को जागरूक करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। समाज में उत्पन्न हो रहे कई संवेदनशील मुद्दों पर संवाद और जागरूकता ही समाधान का मार्ग खोल सकते हैं। संस्कृति बचाओ मंच की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में दो हजार से अधिक लोगों की उपस्थिति रही, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं।

जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की फिल्म 'एनटीआरनील ' 25 जून 2026 को होगी रिलीज

मैन ऑफ मासेस जूनियर एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील की आने वाली फिल्म एनटीआरनील , 25 जून 2026 को रिलीज होगी। जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की फिल्म फिलहाल 'एनटीआरनील' के नाम से जानी जा रही है।माइश्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। यह फिल्म 25 जून 2026, को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।हालांकि फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक कोई खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इंडस्ट्री के भीतर से ही इस प्रोजेक्ट को भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी कोलैबोरेशन में से एक बताया जा रहा है। देवराः पार्ट 1 की बड़ी सफलता के बाद जूनियर एनटीआर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी को तैयार हैं। 2024 की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म बनने के साथ-साथ देवरा ने विदेशों में भी खूब प्यार बटोरा, खासकर जापान में जहां इसका थिएट्रिकल रन सफल रहा। इससे पहले एनटीआर ने आरआरआर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी थी, जिसने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया, बल्कि इसके गाने नाटू नाटू को नेशनल अवॉर्ड मिला और यह ऑस्कर जीतने वाला भारत का पहला और एशिया का भी पहला गाना बना। वहीं दूसरी ओर, प्रशांत नील भी सालार की जबरदस्त सफलता के बाद बुलंदियों पर हैं। इस फिल्म ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई की, बल्कि साल भर ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी राज किया। सालार वह पहली भारतीय फिल्म बनी जिसने इस तरह का ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। माइश्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स जैसे नामी बैनर्स के साथ बन रही फिल्म 'एनटीआरनील' किसी बड़े विजुअल ट्रीट से कम नहीं होगी। इस फिल्म को कल्याण राम नंदामुरी, नवीन यरनेनी, रवि शंकर यालमंचिली और हरीकृष्ण कोसाराजू प्रोड्यूस कर रहे हैं।

निकीता दत्ता ने आईएमडीबी की सूची में पहला स्थान हासिल किया

अभिनेत्री निकीता दत्ता ने इस हफ्ते आईएमडीबी की प्रतिष्ठित 'लोकप्रिय भारतीय सेलिब्रिटीज' सूची में पहला स्थान हासिल किया है। अपनी दिलकश स्क्रीन प्रेजेंस और बहुमुखी अभिनय क्षमता के लिए जानी जाने वाली निकीता का इस सूची में शीर्ष पर पहुंचना इस साल उनके प्रति दर्शकों और समीक्षकों की बढ़ती प्रशंसा और लोकप्रियता को दर्शाता है। यह सूची हाल ही में सबसे अधिक खोजे गए सेलिब्रिटीज के आधार पर तैयार की जाती है, जिसमें वे कलाकार शामिल होते हैं जो चर्चा में रहे हैं और जिन्होंने काफी ध्यान आकर्षित किया है। निकीता के हाल के कार्यों और उनकी आकर्षक शख्सियत ने उन्हें इस सूची के शीर्ष स्थान पर पहुंचा दिया है, जहां उन्होंने कई स्थापित सितारों को भी पीछे छोड़ दिया है। फैन्स निकीता को उनके अनोखे और प्रभावशाली परफॉर्मेंस के लिए खूब सराह रहे हैं, जिनमें वे हर किरदार में पूरी तरह ढल जाती हैं। इस रैंकिंग से यह साफ हो जाता है कि निकीता सिर्फ एक उभरती हुई प्रतिभा नहीं, बल्कि वह नाम बन चुकी हैं जिससे हर हफ्ते ज्यादा से ज्यादा दर्शक जुड़ रहे हैं।निकीता दत्ता का सफर, उनके डेब्यू से लेकर आईएमडीबी की इस रैंकिंग में शिखर तक पहुंचना, उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अद्भुत आकर्षण का प्रमाण है। इंडस्ट्री में जैसे-जैसे वह और चमक रही हैं, यह आईएमडीबी रैंकिंग उनके लिए बड़ी सफलताओं की सिर्फ शुरुआत है।

'टैबू तोड़ना था, इसलिए तीन दिन तक बिकिनी पहनी'

एक्ट्रेस नुसरत भरुचा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी फिल्म 'प्यार का पंचनामा' से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि फिल्म के एक सीन में उन्हें बिकिनी पहननी थी, लेकिन वो उसमें कम्फर्टेबल नहीं थीं। इस झिझक से बाहर निकलने के लिए उन्होंने जो किया, वो सुनकर कोई भी चौंक जाएगा। हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में नुसरत ने कहा, 'मैंने कभी एक्टिंग सीखी नहीं है, तो जो भी मेरी रियल लाइफ के एक्सपीरियंस होते हैं, वही स्क्रीन पर कर पाती हूं। लेकिन बिकिनी तो मैंने कभी पहनी ही नहीं थी।' नुसरत ने डायरेक्टर लव रंजन से भी अपनी चिंता साफ-साफ शेयर की। इस बारे में उन्होंने कहा, 'मैंने लव सर से कहा कि अगर मैं बिकिनी पहन भी लूं, तो उसमें कम्फर्टेबल नहीं रहूंगी। फिर शॉट में वो चीज कैसे नजर आएगी? जब तक मैं अंदर से उसे एक्सेप्ट नहीं करती, तब तक कैमरे के सामने वो चीज नैचुरल नहीं लगेगी।' इसके बाद नुसरत ने जो तरीका अपनाया, वो वाकई यूनिक था। उन्होंने बताया, 'मैं एक इंटरनेशनल सोलो ट्रिप पर निकल गई। क्योंकि इंडिया में बिकिनी पहनकर खुलेआम घूमना मुमकिन नहीं है। मैंने तीन दिन तक सुबह से लेकर रात तक सिर्फ बिकिनी पहनी – होटल में, पूल में, बीच पर... हर जगह।' वो आगे कहती हैं, 'मैंने ये जानबूझकर किया ताकि अपनी सोच और अंदर बैठे टैबू को तोड़ सकूं। खुद से कहना चाहती थी कि बिकिनी में घूमना कोई बड़ी बात नहीं है। दूसरे दिन के बीच में ही मुझे एहसास हुआ कि मैं कब से सिर्फ बिकिनी में घूम रही हूं और अब तो ये नॉर्मल लगने लगा है। लगा – हां, मैं यही तो पहन रही हूं, इसमें क्या है?' नुसरत भरुचा आखिरी बार फिल्म 'छोरी 2' में नजर आई थीं।

भोजपुरी फ़िल्म गुम है किसी के प्यार में की शूटिंग पूरी

भोजपुरी फ़िल्म गुम है किसी के प्यार में की शूटिंग पूरी हो गयी है। फिल्म गुम है किसी के प्यार में का पोस्ट-प्रोडक्शन का काम मुंबई में शुरू हुआ है। जल्द ही फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया जाएगा। निर्देशक संदीप मिश्र ने बताया कि गुम है किसी के प्यार में फिल्म फिल्मजगत के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगी। यह फिल्म पारिवारिक और दर्शकों में रोमांच पैदा करने वाली है। फिल्म गुम है किसी के प्यार में में पृथ्वी तिवारी मुख्य भूमिका में हैं और संचिता बनर्जी, संजुक्ता राय, मनोज सिंह टाइगर, साहब लाल धारी, प्रमोद पांडे, चेतन सिंह, अंशु तिवारी, रमेश यादव, मनमोहन मिश्रा भी अहम भूमिका में हैं। पृथ्वी तिवारी ने बताया कि कुशीनगर में फिल्म की शूटिंग करना बहुत मजेदार अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि फिल्म के निर्देशक संदीप मिश्रा ने एक बेहतरीन भोजपुरी फिल्म का निर्देशन किया है। यह मेरा पहला भोजपुरी फिल्म था, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री संचिता बनर्जी ने उनका बहुत साथ दिया। फिल्म की कथा संदीप मिश्र ने लिखी है, पटकथा और संवाद संजय तिवारी और चंदन सिंह ने लिखे हैं। फिल्म का छायांकन कृष्णा पांडे ने किया है, एक्शन अशोक लाल यादव ने संभाला है,संगीत मधुकर आनंद ने दिया है।फिल्म का संगीत सुप्रसिद्ध संगीतकार मधुकर आनंद ने दिया है।

पलक तिवारी ने इंस्टाग्राम पर 'क्यूट बंदा' खोजकर की थी डेटिंग

श्वेता तिवारी की बेटी पलक अपनी प्राइवेट लाइफ को लेकर ओपनली बात करती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि एक लड़का पसंद आ गया तो उन्होंने उसे किस कदर स्टॉक किया और उसको डेट भी किया। वैसे पलक का नाम सैफ के शहजादे इब्राहिम से भी जोड़ा जाता है। दोनों को कई बार साथ देखा जा चुका है और उनकी वैकेशन की तस्वीरें भी वायरल थीं। जूम से बातचीत में पलक बोलीं, 'मैं बताती हूं मैंने जो सबसे पागलपन वाली चीज की... तो एक बंदा था, जिसे देखकर मुझे लगा कि अरे यार ये तो बहुत क्यूट है। अगर मुझे कोई बंदा दिखता है और वो क्यूट लगता है तो मुझे जानना होता है कि वह कौन है। पर मुझे कुछ पता नहीं था, उसका नाम भी नहीं। मैंने उसे बस एक बार देखा था और ये जानती थी कि इसके बारे में पता लगाना है।' पलक ने बताया कि उन्हें ये बंदा एक अंजान शख्स की इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिख गया।

सलमान से शादी करने का पूछा तो अमीषा पटेल ने किया इनकार...

बोलीं- वो मुझे रुलाते हैं

अभिनेत्री अमीषा पटेल भी बॉलीवुड की उन सेलेब्रिटीज में शामिल हैं, जो अभी तक बैचलर हैं। अमीषा एक महीने बाद 50 साल की हो जाएंगी, लेकिन उन्होंने शादी से दूरी बनाए रखी है। अब अमीषा पटेल ने बॉलीवुड में रिश्तों और शादी पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री के मोस्ट एलिजिबल बैचलर सलमान खान के साथ अपने रिश्ते और उनसे शादी करने के सवाल पर भी बात की। फिल्मी मंत्रा मीडिया के साथ हालिया बातचीत में अमीषा पटेल ने इंडस्ट्री में शादी और तलाक के बारे में बात करते हुए कहा, "मैंने अपने आस-पास हर तरह के रिश्ते देखे हैं। मैंने संजू जैसे सामंजस्यपूर्ण रिश्ते देखे हैं और फिर ऋतिक जैसा कोई है, जिसका तलाक हो चुका है। लेकिन वह और सुजैन मिलकर काफी अच्छे से अपने बच्चों की देखभाल कर रहे हैं। वे अब सबसे अच्छे दोस्त हैं। तो मैं कौन होती हूं जज करने वाली?" आगे सलमान के बारे में बात करते हुए अमीषा ने कहा कि सलमान एक कूल कैट हैं और ईमानदारी से कहूं तो मैं उन्हें शादी करते हुए नहीं देखना चाहती। वह एक कूल डूड हैं, वह प्यार करने वाले और ख्याल रखने वाले हैं और वह सभी के लिए अच्छे हैं। क्या वो सलमान खान से शादी करने के लिए तैयार हैं, इस पर जवाब देते हुए अमीषा पटेल ने कहा, "मुझे सलमान का पूरा इंटरव्यू लेना है कि आप सुधरे हो या नहीं। वह एक दोस्त के तौर पर इतने प्यारे हैं कि मैंने उन्हें कभी उस नजरिए से नहीं देखा क्योंकि वह हमेशा से मेरे दोस्त रहे हैं। एक बहुत ही शरारती दोस्त। वह मेरे साथ बहुत शरारतें करते हैं और मुझे रुलाते भी हैं। उन्होंने मेरा नाम मीना कुमारी इसलिए रखा क्योंकि मैं उनके साथ रोती रहती हूं। यह हमारा रिश्ता है। मैं खुद को इस तरह से नहीं देख सकती। मैं उनके और पूरे परिवार के लिए एक अच्छी दोस्त बनकर खुश हूं।"

18 की उम्र में रचाई शादी, मेल सुपरस्टार जितनी फीस एक्ट्रेस का रेखा से था खास रिश्ता

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई नामी कलाकार हुए हैं, जिन्होंने अपने अभिनय और व्यक्तित्व से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई, लेकिन आज हम आपको जिस अभिनेत्री की कहानी बताने जा रहे हैं, उन्होंने 1950 के दशक में तमिल और तेलुगु सिनेमा पर राज किया। ये वो दौर था जब अभिनेत्रियों को मेल एक्टर्स से कमतर समझा जाता था, लेकिन इस अभिनेत्री ने न सिर्फ अपनी अदाकारी से लोगों को दीवाना बनाया, बल्कि उन्हें मेल एक्टर्स के बराबर फीस मिलती थी। उन्होंने नारी सशक्तिकरण की वो मिसाल पेश की थी, जो उस दौर में बहुत दुर्लभ थी। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति से शादी की थी, जो पहले से शादीशुदा था और जिसकी चार बेटियां थीं। लेकिन जिंदगी के आखिरी पड़ाव में वो तन्हा और तकलीफों से भरी रही। हम बात कर रहे हैं मशहूर अदाकारा सावित्री गणेशन की, जो बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस रेखा की सौतेली मां भी थीं। उनके जीवन पर एक बायोपिक भी बन चुकी है – 'महानटी'। सावित्री गणेशन एक बहुभाषी भारतीय अभिनेत्री थीं, जिनका जन्म 6 दिसंबर 1934 को हुआ था। मूल रूप से तेलुगु फिल्मों से करियर की शुरुआत करने वाली सावित्री ने तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी फिल्मों में भी बेहतरीन काम किया। उनका बचपन काफी संघर्षपूर्ण रहा। जब वो छोटी थीं तभी उनके पिता का देहांत हो गया और उनकी परवरिश उनके नाना ने की। बिना किसी औपचारिक ट्रेनिंग के उन्होंने डांस और अभिनय की दुनिया में कदम रखा।

शहनाज गिल ने खरीदी

बिग बॉस 13 से फेमस हुईं एक्ट्रेस शहनाज गिल के फैंस उनसे बेइंतहा प्यार करते हैं। एक्ट्रेस जब भी पोस्ट शेयर करती हैं या फिर कोई उन्हें ट्रोल करता है, तो उनके फैंस उस शख्स की क्लास लगा देते हैं। शहनाज गिल ने भी बिग बॉस के बाद अपने करियर में कभी भी पीछे पलटकर नहीं देखा और वह छोटे पर्दे से निकलकर बड़े पर्दे तक पहुंच चुकी हैं। हालांकि, इस बीच भी कभी भी शहनाज अपने फैंस से सोशल मीडिया पर अपने स्पेशल पलों को शेयर करने से पीछे नहीं हटती हैं। 'थैंक यू फॉर कमिंग' एक्ट्रेस ने अपनी लग्जरी चीजों में एक और एडिशन किया है। उन्होंने हाल ही में अपने लिए एक महंगी कार खरीदी, जिसकी तस्वीर उन्होंने शेयर की। जैसे ही शहनाज ने ये तस्वीरें डाली, वैसे ही सिद्धार्थ शुक्ला के फैंस ने उनसे ये गुजारिश करना शुरू कर दिया।

शहनाज गिल ने इतने करोड़ में खरीदी कार?

शहनाज गिल ने बुधवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कार के शो रूम से कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ब्लैक रंग की लग्जरी कार मर्सीडीज बेंज के पास खड़ी हुई हैं और पीछे ऊपर उनकी फिल्मों के पोस्टर लगे हुए हैं। तस्वीरों में उन्होंने अपनी मर्सिडीज की एक झलक तो दिखाई और साथ ही उन्होंने अपनी इस कार की पूजा कर उसे शो रूम से बाहर निकाला। इस दौरान शहनाज व्हाइट रंग के टॉप और ब्लू जींस में नजर आईं।

अपनी कार की फोटोज सीरीज को शेयर करते हुए शहनाज गिल ने कैप्शन में लिखा, 'मेरे सपनों से लेकर उसको ड्राइव करने तक..मेरी मेहनत को चार पहिए मिल गए हैं। खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं, वाहेगुरु जी तेरा शुक्रा'। शहनाज गिल की इस कार की कीमत 1.57 करोड़ से 1.67 करोड़ के बीच की बताई जा रही रही है।

शनाया कपूर और विक्रांत मैसी रिलीज डेट हुई लॉक

मिनी फिल्म्स की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के साथ बॉलीवुड में एक नया रोमांस लाने वाला है। इसी के साथ फैंस को पर्दे पर विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की फ्रेश जोड़ी रोमांस करते देखने को मिलेगी। इस प्रेम कहानी का उद्देश्य भावनाओं और प्राकृतिक केमिस्ट्री और दिल को छू लेने वाला अनुभव प्रदान करना है। पिछले काफी समय से इसकी शूटिंग चल रही थी। शनाया बैक स्टेज से कई सारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस को इसकी जानकारी दे रही थीं। हालांकि अब फिल्म को रिलीज डेट भी मिल गई है। जी स्टूडियोज ने अपने इंस्टाग्राम पर एक मूविंग वीडियो के जरिए इसकी अनाउंसमेंट की। फिल्म 11 जुलाई 2025 को रिलीज होने के लिए तैयार। यह बड़े पर्दे पर रोमांस का एक नया रूप लेकर आएगी। इसके साथ ही ये एक ऐसी ऑन-स्क्रीन जोड़ी हैं जो फ्रेश, यंग, और फुल ऑफ लाइफ है। कह सकते हैं कि ये आपको स्क्रीन से नजर हटाने का मौका नहीं देगी। फिल्म की अनाउंसमेंट करते हुए मेकर्स ने लिखा,'इस मानसून में,सिर्फ गिरना नहीं है बल्कि प्यार को महसूस करना है। #आंखों की गुस्ताखियां 11 जुलाई 2025 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में।' फिल्म की कहानी की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। इसे अभी सीक्रेट रखा गया है। फिल्म का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है,जबकि संगीत विशाल मिश्रा ने दिया है।

अजय की 'रेड 2' डबल डिजिट ओपनिंग के लिए तैयार

अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' की रिलीज में अब बस कुछ घंटे का वक्त बचा है। जहां अक्षय कुमार की 'केसरी चैप्टर 2' बॉक्स ऑफिस पर स्ट्रगल कर रही है, वहीं फिल्म बिजनेस और अजय के फैन्स की नजरें इस बात पर लगी हुई हैं कि'रेड 2' का बिजनेस कैसा रहेगा। लॉकडाउन के बाद अजय ने 'शैतान' जैसी हिट ओरिजिनल फिल्म दी है। उनकी दो फ्रैंचाइजी फिल्में 'दृश्यम 2' और 'सिंघम अगेन' भी बॉक्स ऑफिस पर बड़ी कामयाबी लेकर आईं। अजय की ओरिजिनल 'रेड' (2018) बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन लेकर आई थी। ऐसे में 'रेड 2' के पास एक हिट फ्रैंचाइजी से आने का फायदा पहले से ही मौजूद है। अब एडवांस बुकिंग के आंकड़े बता रहे हैं कि इसे पहली फिल्म के 10 करोड़ ही नहीं, बल्कि 2025 की कई चर्चित फिल्मों से बेहतर ओपनिंग मिलने वाली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, अजय की फिल्म के लिए बुधवार दोपहर तक 1।17 लाख से ज्यादा टिकट बुक हो चुके हैं। इस बुकिंग से फिल्म ने 3।24 करोड़ रुपये से ज्यादा एडवांस ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। 'रेड 2' की तुलना इस साल रिलीज हुई चर्चित फिल्मों से करें तो पता चलता है कि इसे बहुत दमदार एडवांस बुकिंग मिल रही है। अक्षय कुमार की 'केसरी 2' के लिए एडवांस बुकिंग में लगभग 57 हजार टिकट बुक हुए थे और एडवांस ग्रॉस करीब 1।9 करोड़ था।

महिला सुपर लीग 2024-25: चेल्सी ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर लगातार छठी बार खिताब जीता

इंग्लैंड के मैनचेस्टर में लेह स्पोर्ट्स विलेज में महिला सुपर लीग जीतने के लिए फुटबॉल मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराने के बाद चेल्सी ने एक ग्रुप फोटो के लिए पोज दिया।

चेपॉक में चेन्नई की लगातार पांचवीं हार, प्लेऑफ की दौड़ से बाहर

पंजाब दूसरे स्थान पर पहुंची

एजेंसी ● चैन्नई

युजवेंद्र चहल की घातक गेंदबाजी के बाद प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी के दम पर पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घर में चार विकेट से हरा दिया। बुधवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 19.2 ओवर में 10 विकेट खोकर 190 रन बनाए। उनके लिए सैम करन ने अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में पंजाब ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सीएसके के लिए खलील अहमद और मथीशा पथिराना ने दो-दो विकेट लिए जबकि रवींद्र जडेजा और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली।10 में से आठ मुकाबले गंवा चुकी चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। चार अंक और -1.211 के नेट रन रेट के साथ टीम 10वें पायदान पर है जबकि पंजाब तीन स्थानों की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। अब उनके 13 अंक हो गए हैं और उनका नेट रन रेट 0.199 हो गया। वहीं, शीर्ष पर 14 अंकों के साथ आरसीबी काबिज है। चेपॉक में लगातार पांच मैचों में हार के साथ चेन्नई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली इस सत्र की पहली टीम है। ऐसा पहली बार हुआ है जब चेन्नई ने घरेलू मैदान पर लगातार पांच मुकाबलों में शिकस्त झेली है। इससे पहले 2008 और 2012 में फ्रेंचाइजी ने लगातार चार-चार मैच हारे थे।

पंजाब की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी हुई। खलील अहमद ने आर्या को अपना शिकार बनाया, जो 15 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तीसरे नंबर पर कप्तान श्रेयस अय्यर आए और उन्होंने प्रभसिमरन (54) के साथ 50 गेंदों में 72 रन जोड़े। दोनों ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं और टीम की जीत सुनिश्चित कर पवेलियन लौटे। अय्यर ने 41 गेंदों में 72 रन बनाए जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा शशांक सिंह ने 23, नेहल वढेरा ने पांच और सूर्यांश शेडगे ने एक रन बनाया। वहीं, जोश इंग्लिस और मार्को यानसेन क्रमशः छह और चार रन बनाकर नाबाद रहे।

चेन्नई की पारी

इससे पहले चेन्नई की शुरूआत खराब हुई थी। शेख रशीद और आयुष म्हात्रे क्रमशः 11 और सात रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सैम करन ने मोर्चा संभाला। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से डेवाल्ड ब्रेविस के अलावा किसी का साथ नहीं मिला। दोनों ने 78 रनों की साझेदारी निभाई। करन ने सर्वाधिक 88 रनों की पारी खेली जबकि ब्रेविस ने 32 रन बनाए। उनके अलावा रवींद्र जडेजा ने 17, शिवम दुबे ने छह, महेंद्र सिंह धोनी ने 11 और दीपक हुड्डा ने दो रन बनाए। वहीं, अंशुल और नूर अपना खाता भी नहीं खोल पाए जबकि खलील खाता खोले बगैर नाबाद रहे। इस मैच में पंजाब के लिए युजवेंद्र चहल ने चार विकेट हासिल किए। वहीं, अर्शदीप सिंह और मार्को यानसेन को दो-दो सफलताएं मिलीं। अजमतुल्लाह उमरजई और हरप्रीत बराड़ ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

राजस्थान के खिलाफ मैच से पहले मुंबई को झटका

मुंबई। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को तब बड़ा झटका लगा, जब युवा सितारे विग्नेश पुथुर चोट की वजह से टूनार्मेंट से बाहर हो गए। पुथुर को इसी आईपीएल में ब्रेक मिला था और वह मुंबई के उभरते सितारे साबित हुए थे। उन्होंने इस सीजन में पांच मैच खेले और 9.08 की इकोनॉमी से छह विकेट लिए। 32 रन देकर तीन विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। उनकी जगह मुंबई ने लेग स्पिनर रघु शर्मा को टीम में शामिल किया है। ळपुथुर मौजूदा सत्र के बाकी मैच नहीं खेल सकेंगे। केरल के बाएं हाथ के स्पिनर पुथुर दोनों पिंडलियों में हड्डी के तनाव के कारण बाहर हो गए हैं। 31 वर्ष के रघु मुंबई की सहयोगी गेंदबाजी ईकाई का हिस्सा हैं जो अब मुख्य टीम से जुड़ेंगे। वह घरेलू क्रिकेट में पंजाब और पुडुच्चेरी के लिए खेल चुके हैं।रघु ने 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 19.59 की औसत से 57 विकेट लिए हैं जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 56 रन देकर सात विकेट था। इसके अलावा नौ लिस्ट ए मैचों में 14 और तीन टी20 में तीन विकेट ले चुके हैं। अपने पहले आईपीएल सत्र में छह विकेट लेकर प्रभावित करने वाले पुथुर मुंबई इंडियंस के मेडिकल और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग स्टाफ की देखरेख में टीम के साथ ही रहेंगे।

श्रेयस को मैदान पर ये करना पसंद, किया खुलासा; अगले सत्र के लिए धोनी की टीम में इस खिलाड़ी की जगह तय

एजेंसी ● नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स को अपने घर में लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। बुधवार को पंजाब किंग्स ने चेपॉक में सीएसके को चार विकेट से हरा दिया। इस हार के साथ ही चेन्नई की टीम आधिकारिक तौर पर आईपीएल से बाहर हो गई। पंजाब की जीत में कप्तान श्रेयस अय्यर ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 41 गेंद में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 72 रन बनाए। श्रेयस को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। जीत के बाद उन्होंने बताया कि किसी भी मैदान पर उन्हें चेज करना पसंद है। वहीं, हार के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि उनकी टीम ने 15-20 रन कम बनाए थे। साथ ही धोनी ने एक ऐसे खिलाड़ी का नाम लिया, जो सीएसके के लिए अगले सीजन में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। यानी रिप्लेसमेंट के तौर पर जुड़े उस खिलाड़ी का रीटेन रहना तय है।पंजाब की टीम युजवेंद्र चहल की हैट्रिक के बाद कप्तान अय्यर के अलावा प्रभसिमरन सिंह की 36 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 54 रन की पारी की मदद से पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को चार विकेट से हराकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। 10 मैच में दो जीत से चार अंक लेकर सीएसके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ से बाहर हो गई। श्रेयस और प्रभसिमरन ने दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 72 रन की साझेदारी की और पंजाब किंग्स को सीएसके के 191 रन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद की।

इन दोनों के अलावा प्रियांश आर्या और शशांक सिंह ने 23-23 रन का योगदान दिया। श्रेयस ने मैच के बाद कहा, 'मुझे किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना पसंद है। हमें जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी। यह भी देखना था कि अगला बल्लेबाज कौन है। मैदान से बाहर प्रदर्शन की बात करूं तो मैं लुत्फ उठा रहा हूं, मैं सिर्फ गेंद के हिसाब से खेल रहा हूं। मुझे खुद पर भरोसा है और लगता है कि किसी भी लक्ष्य का पीछा करत सकता हूं।'श्रेयस ने कहा, 'मैं जितना संभव हो बल्लेबाजी का उतना आनंद ले रहा हूं और वर्तमान में रहने की कोशिश कर रहा हूं। एक बार जब मुझे पता चल जाता है कि क्या कोई बड़ा स्कोर है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि घर या बाहर, मैं एक ही दृष्टिकोण रखता हूं। कभी-कभी यह काम करता है, कभी-कभी ऐसा नहीं होता है। मुझे पता है कि अगर मैं मैदान पर रहता हूं, तो मैं किसी भी लक्ष्य का पीछा कर सकता हूं। हाल ही में मैं नेट्स में काफी बल्लेबाजी कर रहा हूं और नई गेंद से तेज गेंदबाजों का सामना कर रहा हूं। मुझे पता है कि गेंद स्किड होकर तेज गति से आएगी। इसने मुझे काफी आत्मविश्वास दिया है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिस पर मैंने वास्तव में काम किया है।'

श्रेयस ने कहा, 'जब मैं मैदान पर आया तो मैंने कुछ गेंदें खेलीं और विकेट को परखा। 10 गेंद खेलने के बाद मैंने फैसला किया कि अब गेंदबाजों का सामना करने का समय आ गया है।

दो वर्षों से इस गंभीर बीमारी से जूझ रहा था आरसीबी का ये खिलाड़ी, इंजेक्शन लेकर खेलने को था मजबूर

एजेंसी ● नई दिल्ली

लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को उनका बेहतर इलाज कराने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने बताया कि टीम प्रबंधन ने उन्हें इलाज के लिए लंदन भेजा था। दरअसल, सुयश पिछले दो साल से हार्निया से जूझ रहे थे। इसका असर उनके खेल पर भी पड़ रहा था। लेकिन आरसीबी मैनेजमेंट ने अपने खिलाड़ी की समस्या का पता चलते ही उनके इलाज कराने का फैसला किया और पूरा खर्च उठाया। आरसीबी ने गुरुवार को अपने आधिकारिक एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल से एक वीडियो साझा किया जिसमें सुयश शर्मा को अपनी समस्या के विषय में बताते देखा जा सकता है। धीमी गति के गेंदबाज ने कहा- 'मैं पिछले दो साल से हार्निया के दर्द से पीड़ित था। मुझे दर्द में खेलने की आदत थी। यह समस्या उस समय की थी जब मैं आरसीबी का हिस्सा नहीं था, लेकिन टीम ने मुझ पर बहुत भरोसा दिखाया। उन्होंने मेरी सर्जरी के लिए मुझे लंदन भेजा और सब कुछ मैनेज किया। अब मैं पूरी तरह से फिट हूं और शुक्रगुजार हूं कि मैं इस आरसीबी फ्रैंचाइजी से जुड़ा हूं।' इस दौरान सुयश ने जेम्स पाइपी को भी शुक्रिया कहा। उन्होंने कहा- आरसीबी ने मुझे सर्जरी के लिए लंदन भेजा। और वहां मेरे पास जेम्स पाइपी थे। उन्होंने और उनके परिवार ने मेरे साथ अपने परिवार की तरह व्यवहार किया। मुझे तीन हर्निया थे, मैं सच कह रहा हूं - मुझे पहला मैच खेलने की उम्मीद भी नहीं थी। मुझे बताया गया कि मुझे तीन या चार मैचों के बाद खेलना चाहिए क्योंकि मेरी सर्जरी काफी बड़ी थी। लेकिन जेम्स ने मेरी इतनी अच्छी देखभाल की, किसी और से बेहतर। मैं वास्तव में आभारी हूं कि मैं इस फ्रैंचाइजी में आया - मैं पूरी तरह से फिट हो गया। अन्यथा, मैं पिछले दो सालों से इस समस्या से जूझ रहा हूं। मुझे दर्द में खेलने की आदत हो गई थी।

सीएसके पर जीत के बाद पंजाब के कप्तान को लगा झटका

बीसीसीआई ने श्रेयस पर ठोका इतने रुपये का जुमार्ना

एजेंसी ● चैन्नई

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स पर अपनी टीम की जीत के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। पंजाब की टीम ने बुधवार को सीएसके को चार विकेट से हरा दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई की टीम 19.2 ओवर में 190 रन पर सिमट गई थी। जवाब में पंजाब ने 19.4 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।गुरुवार को आईपीएल मीडिया एडवाइजरी में कहा गया, 'चूंकि यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है।'

इस सीजन अब तक कई कप्तानों पर धीमी ओवर गति के लिए जुमार्ना लग चुका है। दूसरी गलती होने पर पूरी टीम को सजा दी जाती है। कप्तान पर भी 25 लाख रुपये का जुमार्ने के साथ-साथ डिमेरिट अंक भी मिलता है। कप्तान पर प्रतिबंध के नियम को हटा दिया गया है।युजवेंद्र चहल की हैट्रिक के बाद कप्तान अय्यर (72 रन) और प्रभसिमरन सिंह (54 रन) के अर्धशतकों की मदद से पंजाब किंग्स पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को चार विकेट से हराकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। सीएसके की टीम लगातार पांचवीं हार के बाद इस सत्र में टूनार्मेंट से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। 10 मैच में दो जीत से चार अंक लेकर सीएसके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ से बाहर हो गई।

प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए अय्यर और प्रभसिमरन ने दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 72 रन की साझेदारी बनाकर पंजाब किंग्स को सीएसके के 191 रन के लक्ष्य को हासिल करने की ओर अग्रसर किया। अय्यर ने 41 गेंद की पारी के दौरान पांच चौके और चार छक्के जड़े जबकि प्रभसिमरन ने 36 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के जमाए।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 02 मई, 2025
www.adityabharat.com

फ्रांस की राजधानी पेरिस में पैंथियन के सामने फ्रांसीसी डॉक्टर और मेडिकल इंटर्न चिकित्सा सेवा में अनुपस्थिति की समस्या से निपटने के उद्देश्य से बनाए गए एक विधेयक के विरोध में प्रदर्शन में शामिल हुए। उनका कहना है कि यह विधेयक इस पेशे पर अत्यधिक प्रतिबंध लगाता है।

शॉर्ट न्यूज

स्वीडन में लोगों पर चलाई गोलियां, 3 मौत

स्वीडन। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद यूरोपीय देश स्वीडन से भी एक ऐसी ही भयावह घटना सामने आई है। यहां एक उत्सव की तैयारियों में जुटी भीड़ पर हुई फायरिंग में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्वीडन में एक हेयर सैलून में मास शूटिंग की घटना में कम से कम 3 लोगों की मौत हुई है। इस हमले में कई लोग घायल भी हुए हैं। स्थानीय मीडिया ने पुलिस का हवाला देते हुए बताया है घटना स्वीडन के उप्साला में शहर के केंद्र में स्थित वक्सला स्क्वायर के पास हुई। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक गोलीबारी उस समय हुई जब लोग वालपुरगीस स्प्रिंग फेस्टिवल की पूर्व संध्या के दौरान खरीददारी करने जुटे थे।

दिल्ली हाट में लगी आग, 26 दुकानें जलीं

नई दिल्ली। नई दिल्ली के आईएनए स्थित दिल्ली हाट में कल देर रात आग लगने से करीब 26 दुकानों जलकर राख हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना रात करीब 9 बजे की है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 13 दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची। बता दें कि दिल्ली हाट मार्केट भारत के ग्रामीण बाजारों से प्रेरित है और इसमें देश भर के हस्तशिल्प के स्टॉल हैं। यहां आग लगने के कुछ देर बाद दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने आग पर काबू पाए जाने की जानकारी शेयर की और घटनास्थल पर पहुंचे। कपिल मिश्रा ने कहा- आग लगने के कारणों की जांच कराई जाएगी और जिन दुकानों को नुकसान हुआ उन्हें मुआवजा दिए जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि दुकानों में काम करने वाले कारीगरों और दुकानदारों को बड़ा नुकसान हुआ है।

इजरायल का बाहरी इलाका आग की चपेट में

यरुशलम। इजराइल के यरुशलम शहर के बाहरी इलाकों में कल आग लग गई है। यह आग एश्ताओल के जंगल में लगी है, जो तेजी से फैल रही है। इसकी चपेट में कई सड़कें भी आई हैं, जिसकी वजह से लोगों को अपने वाहनों को सड़कों पर ही छोड़कर भागना पड़ा है। सरकार ने हालात को काबू करने के लिए सेना को तैनात किया है। इसके अलावा कई रिहायशी इलाकों से लोगों को खाली करा लिया गया है। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक कम से कम पांच जगहों पर यह आग फैली हुई है। तेज हवाओं और भीषण गर्मी की वजह से आग पर काबू पाने में समस्या आ रही है। यरुशलम से राजधानी तेल अवीव के लिए जाने वाला राजमार्ग 1 बंद कर दिया गया है।

अब अमेरिका के सामने गिड़गिड़ाया पाकिस्तान, अमेरिकी विदेश मंत्री से कहा

भारत पर जिम्मेदारी से पेश आने का दबाव बनाए अमेरिका

एजेंसी ● वॉशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की। उन्होंने पहलगाम हमले की निंदा की और कहा- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ है। मार्को रूबियो ने दोनों देशों से तनाव कम करने और दक्षिण एशिया में शांति स्थापित को लेकर मिलकर काम करने की अपील की। खबरों के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने मार्को रुबियो से बातचीत के दौरान भारत पर उग्र और भड़काऊ व्यवहार का आरोप लगाया। शरीफ ने अमेरिका से अपील की कि वह भारत पर जिम्मेदारी से पेश आने और बयानबाजी कम करने का दबाव बनाए। साथ ही कहा- भारत का उकसाने वाले रवैया के चलते पाकिस्तान की आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाई प्रभावित हो सकती है। क्षेत्रीय हालात बिगड़ सकते हैं।

अपील

भारत जवाबी कार्रवाई की मांग करने में सावधानी बरते : रूबियो

अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बताया कि मार्को रुबियो ने जयशंकर से फोनकॉल पर एकजुटता व्यक्त की और पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वालों के लिए शोक प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका भारत के साथ है। हालांकि उन्होंने यह भी सलाह दी कि भारत जो इस हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ बताने और जवाबी कार्रवाई की मांग करने में सावधानी बरते। वहीं, टैमी ब्रूस ने बताया प्रधानमंत्री शरीफ से फोन पर बातचीत के दौरान रुबियो ने पाकिस्तान से 22 अप्रैल को कश्मीर में हुए हमले की निंदा करने और जांच में सहयोग करने को कहा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाकिस्तानी अधिकारियों से इस अमानवीय हमले की जांच में पूरी तरह सहयोग करने का अनुरोध किया।

पाकिस्तान ने आईएसआई चीफ असीम मलिक को एनएसए बनाया

पहलगाम हमले के बाद बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) बनाया है। यह अपॉइंटमेंट 29 अप्रैल को हुई थी, लेकिन मीडिया में नोटिफिकेशन 30 अप्रैल को आधी रात जारी किया गया। असीम मलिक को सितंबर 2024 में आईएसआई चीफ बनाया गया था। अप्रैल 2022 में मोईद यूसुफ के बाद से पाकिस्तान में कोई एनएसए नहीं था। इस अपॉइंटमेंट के बाद असीम मलिक के पास अब दो जिम्मेदारियां (आईएसआई चीफ और एनएसए) होंगी। इससे पहले 30 अप्रैल को भारत सरकार ने एनएसए बोर्ड (एनएसएबी) का नए सिरे से गठन किया है। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को इसका नया चेयरमैन बनाया गया।

कर्नाटक के हावेरी का मामला

ड्राइवर ने बीच सड़क पर सरकारी बस रोक पढ़ी नमाज, जांच

बेंगलुरू। कर्नाटक के हावेरी जिले में एक सरकारी बस ड्राइवर द्वारा ड्यूटी के दौरान बस को बीच रास्ते में रोककर नमाज पढ़ी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कर्नाटक परिवहन विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं। ड्राइवर की इस हरकत से यात्रियों को असुविधा हुई और कुछ यात्रियों ने इसकी शिकायत दर्ज की। दरअसल, 29 अप्रैल के कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (KSRTC) की बस हब्बल्ली से हावेरी जा रही थी। वायरल वीडियो में ड्राइवर बस के अंदर एक सीट पर बैठकर नमाज पढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। यात्रियों ने इसकी शिकायत परिवहन निगम के अधिकारियों से की। वाहन चालक की पहचान ए. के. मुल्ला के रूप में हुई है। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के प्रबंधक को पत्र लिखकर जांच के आदेश दिए। अपने पत्र में उन्होंने कहा, 'सार्वजनिक सेवा में कार्यरत कर्मचारियों को कुछ नियमों और विनियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना होता है। हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक प्रथाओं का पालन करने का अधिकार है, लेकिन यह ड्यूटी समय के दौरान नहीं किया जाना चाहिए। 'उत्तर पश्चिम कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि ड्राइवर के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि वे वीडियो की प्रामाणिकता और घटना के सभी पहलुओं की जांच करेंगे। यात्रियों की शिकायतों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पहली बार इजरायल की आबादी एक करोड़ पार

एजेंसी ● यरुशलम

इजरायल की आबादी पहली बार 1 करोड़ के पार हुई है। 1948 के बाद से यह पहला मौका है, जब इजरायल की संख्या 10.1 मिलियन हुई है। देश की स्थापना के बाद से अब तक यहूदी मुल्क की आबादी में 12 गुना तक इजाफा हो चुका है। इजरायल के जनसांख्यिकी विभाग के अनुसार बीते साल की तुलना में इजरायल की आबादी में 1 लाख 35 हजार यानी 1.4 फीसदी का इजाफा हुआ है। दिलचस्प बात है कि अब भी यहूदियों की आबादी 80 लाख भी नहीं पहुंची है। इजरायल का संघर्ष पड़ोस के फिलिस्तीन, लेबनान, मिस्र जैसे देशों से लंबे समय से रहा है। 1948 में देश की स्थापना के बाद से ही यह संघर्ष चलता रहा है। ऐसे में यहूदियों और पूरे इजरायल की ही आबादी एक करोड़ से कम होना चर्चा का विषय रहा है। अब इजरायल की आबादी तो एक करोड़ के आंकड़े तक पहुंच गई है, लेकिन यहूदियों की संख्या अब भी 80 लाख से नीचे है। आंकड़े के अनुसार इजरायल की आबादी में यहूदियों की संख्या फिलहाल 77.6 फीसदी ही है। देश में 2.1 मिलियन यानी करीब 20 फीसदी मुसलमान, ईसाई और अरब हैं। इसके अलावा ढाई लाख लोग यानी 2.5 फीसदी ऐसे भी हैं, जो किसी भी कैटिगरी में नहीं आते। इनमें विदेशी छात्र, मजदूर और अवैध रूप से वहां पहुंचे प्रवासी शामिल हैं। आंकड़ा बताता है कि इजरायल में बीते एक साल में 1 लाख 74 हजार बच्चों का जन्म हुआ। इसके अलावा 28 हजार लोग दूसरे देशों से आकर वहां बस गए और 50 हजार इजरायलियों की मौत हो गई। यहूदी मुल्क के लिए राहत की बात यह है कि वहां युवा आबादी का प्रतिशत अच्छा है। 27 फीसदी इजरायली 18 साल से कम आयु के हैं। इसके अलावा 13 फीसदी वे लोग हैं, जिनकी आयु 65 साल से ज्यादा हो चुकी है। इजरायल की आबादी बहुत अधिक नहीं है, लेकिन उसकी ग्रोथ से यहूदी देश को राहत मिली है। इजरायल छोड़कर दूसरे देशों में रहने वाले लोगों की संख्या में भी गिरावट आई है। अब तक के आंकड़े के अनुसार 56 हजार इजरायली ही दूसरे मुल्कों में हैं। कुछ सालों में दूसरे देशों में बसने वाले इजरायलियों में भी तेजी से कमी आई है यानी वे कमाई के लिए भी दूसरे देशों में जाना पसंद नहीं करते। आंकड़े के अनुसार 1948 में देश की स्थापना हुई थी ।

संघ प्रमुख ने दूल्हे से कहा- मेरी बेटी का ख्याल रखना

काशी में मोहन भागवत ने मजदूर की बेटी का किया कन्यादान

एजेंसी ● वाराणसी

संघ प्रमुख मोहन भागवत कल काशी पहुंचे। यहां वे अक्षय तृतीया पर 125 जोड़ों की शादी में शामिल हुए। भागवत ने एक आदिवासी कन्या के पैर धोए। एक पिता की तरह कन्यादान किया। शगुन में 501 रुपए भी दिए। दूल्हे ने भागवत के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। संघ प्रमुख ने दूल्हे से कहा, जाओ अच्छे से कमाना और मेरी बेटी को खुश रखना। उसका ख्याल रखना। समारोह के लिए संकुल धारा पोखरा पर 125 मंडप बनाए गए। इसमें दलित-ओबीसी और सवर्ण सभी वर्गों के जोड़े शामिल हुए। पहली बार सामूहिक विवाह में बारात निकाली गई। रथ पर सवार होकर दूल्हे मंडप में पहुंचे। वर-वधु ने 7 जन्मों के बंधन की कसमें खाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वर-वधु ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। यहां पहली बार अंतरजातीय विवाह भी कराए गए। इस आयोजन में 5000 से अधिक लोगों ने ब्लड डोनेट करने, नेत्रदान और अंगदान के लिए संकल्प पत्र भी भरे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की पहल पर होने वाला यह आयोजन हिंदुओं को एकजुट करने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। जिस बेटी का मोहन भागवत ने कन्यादान किया, वो सोनभद्र के रेणुकोट (रेनूकोट) की रजवंती हैं। उनके पिता ने कहा- रेनूकोट के ही अमन के साथ बेटी की शादी हुई है। दूल्हे अमन ने बताया- भागवतजी ने हम दोनों को आशीर्वाद दिया। मुझसे कहा कि अच्छे से कमाना, घर चलाना। बेटी का ख्याल रखना।

विदाई में क्या-क्या मिला?

विदाई में सभी जोड़ों को एक साइकिल, सिलाई मशीन, पायल, बिछिया, 2 साड़ी, दूल्हे को कपड़ा, बिस्तर दिए दिए। शादी समारोह में डिप्टी CM केशव प्रसाद मौर्य और कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी भी पहुंचे। समारोह में वाराणसी के अलावा मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, भदोही से जोड़े शामिल हुए।

भागवत ने दिया था एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान का संदेश - एक महीने पहले जब आरएसएस चीफ वाराणसी पहुंचे थे तो उन्होंने एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान का संदेश दिया था। इसके पीछे उनकी सोच हिंदुओं को जातियों में न बटकर एक रखने की थी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)